हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 358, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 16 जून, 2022 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

अग्निपथ स्कीम के विरोध में बिहार में बवाल

बक्सर में ट्रेन रोकी, मुजफ्फरपुर और बेगूसराय में सड़क पर आगजनी

पटना। सेना में भर्ती के लिए सरकार की अग्निपथ योजना बिहार के युवाओं को पसंद नहीं आ रही है। यही वजह है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा अग्निवीरों के लिए अग्निपथ योजना की घोषणा किए जाने के अगले ही दिन बिहार के अलग-अलग शहरों में हंगामा शुरू हो गया है। बक्सर में सेना भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं ने ट्रेनों का परिचालन बाधित किया है, तो मुजफ्फरपुर में आगजनी पर उतारू हो गए हैं। बेगूसराय में भी हंगामा हो रहा है। मुजफ्फरपुर में सेना भर्ती की तैयारी करने वाले युवा बुधवार की सुबह होते ही सेना भर्ती बोर्ड के कार्यालय पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। हालांकि, मुजफ्फरपुर में हंगामा कर रहे युवाओं का कहना है कि वे पहले से जारी सेना भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए हंगामा कर रहे हैं। मुजफ्फरपुर में सेना भर्ती बोर्ड के पास हंगामा कर रहे युवाओं को प्रशासन ने भगा दिया। इसके बाद गुस्साए अभ्यर्थी चक्कर चौक पर पहुंचे और वहां सड़क पर टायर जलाकर यातायात बाधित कर दिया। यहां से निकलने के बाद सभी भगवानपुर चौक पहुंचे और वहां हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा कर रहे युवाओं का कहना है कि सेना में भर्ती के लिए दो साल पहले ही शारीरिक दक्षता परीक्षा पास करने के बाद भी उन्हें नौकरी नहीं मिली है। उनका कहना है कि दो साल से सेना भर्ती कार्यालय का चक्कर लगाकर थक गए हैं, लेकिन कोई सही जवाब नहीं दिया जाता। युवाओं ने कहा कि इसके लिए कई बार डीएम को भी ज्ञापन दिया है। युवाओं का कहना था कि नौकरी के लिए उनकी उम्र गुजर रही है और सेना में भर्तियां रोक दी गई हैं। लाठी चार्ज कर प्रशासन ने मुजफ्फरपुर में यातायात बहाल करने की कोशिश की है।

बक्सर में 45 मिनट तक जाम रहा रेलवे ट्रैक– दानापुर रेल मंडल के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन - पटना जंक्शन रेलखंड के बक्सर रेलवे स्टेशन पर छात्रों ने खूब बवाल काटा है। सौ से अधिक की संख्या में रहे छात्रों ने रेल पटरी पर बैठ कर ट्रैक को करीब 45 मिनट तक जाम किए रखा। इस बीच ट्रैक जाम रहने के कारण बक्सर में जनशताब्दी एक्सप्रेस करीब 25 मिनट तक खड़ी रही। हालांकि, मौके पर मौजूद आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार और जीआरपी थनाध्यक्ष रामाशीष प्रसाद के काफी समझाने बुझाने के बाद ट्रैक छोड़कर छात्र हट गए और तब जनशताब्दी एक्सप्रेस यहां से खुली है।

पाटलिपुत्र एक्सप्रेस पर पथराव की अफवाह– इस दौरान बक्सर से गुजर रही पाटलिपुत्र एक्सप्रेस पर छात्रों द्वारा पथराव किए जाने की भी अफवाह उड़ी थी जिसका जीआरपी थनाध्यक्ष ने खंडन करते बताया कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है, शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद छात्रों ने ट्रैक खाली कर दिया। इधर ट्रैक जाम की संभावना को देखते हुए भारी संख्या में रेल पुलिस के जवान किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए मौके पर मौजूद थे।

बेगूसराय में भी हंगामा शुरू– बिहार के बेगूसराय शहर में भी हंगामा हो गया है। यहां एनसीसी के छात्र एवं सेना की भर्ती की तैयारी करने वाले छात्रों ने हर-हर महादेव चौक को जाम कर दिया है। ये युवा अपने साथ बैनर लेकर आए हैं। इस बैनर पर साफ तौर पर लिखा है कि अग्निपथ स्कीम को वापस लेकर पुरानी भर्ती प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। इधर, अग्निपथ योजना के कार्यान्वयन के संबंध में एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मुख्यालय मध्य वायु कमान एयर मार्शल आर जे डकवर्थ (एबीएसएम, वीएसएम) ने झारखंड बिहार सब एरिया में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि अग्निवीर युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। अग्निपथ योजना से युवाओं को लाभ मिलेगा। कम समय में दो अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

सीएम योगी ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के दिए निर्देश, बोले- समय से जारी करें बोर्ड परीक्षा के परिणाम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टीम-9 के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने यूपी बोर्ड परीक्षा परिणामों को भी समय से जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा परीक्षार्थियों को अपने परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा होगी। ऐसे में यूपी बोर्ड परीक्षा के परिणामों को समय पर जारी कर दिया जाए। एग्रेसिव ट्रेसिंग, टेस्टिंग, त्वरित ट्रीटमेंट और तेज टीकाकरण की नीति का सुफल है कि आज जबकि देश के विभिन्न राज्यों में एक बार फिर कोविड केस में बढ़ोतरी हो रही है, उत्तर प्रदेश में पॉजिटिविटी दर न्यूनतम बनी हुई है। विगत दिवस की पॉजिटिविटी मात्र 0.03 प्रतिशत रही, जबकि वर्तमान माह में औसत पॉजिटिविटी 0.23 प्रतिशत रही है।

वर्तमान में कुल एक्टिव केस की संख्या 1645 है। इसमें 1563 लोग घर पर उपचाराधीन हैं, जबकि 29 लोग अस्पतालों में चिकित्सकों की निगरानी में हैं। विगत 24 घंटों में 86 हजार से अधिक टेस्ट किए गए और 318 नए कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 178 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए। बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर हमें सतर्क रहना होगा। 11 करोड़ 60 लाख से अधिक टेस्टिंग और 33 करोड़ 40 लाख से अधिक कोविड टीकाकरण करने के साथ उत्तर प्रदेश कोविड टेस्टिंग और टीकाकरण में देश में शीर्ष स्थान पर है।

प्रदेश के 18+ आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज लग चुकी है, जबकि 94.79 प्रतिशत से अधिक वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। 15-17 आयु वर्ग के 98.72 प्रतिशत किशोरों को पहली और 82.5 प्रतिशत को दोनों खुराक मिल चुकी है, इसी प्रकार, 12 से 14 आयु वर्ग के 92 प्रतिशत से अधिक बच्चों को टीके की पहली डोज और 52 प्रतिशत को दोनों डोज दी जा चुकी है। 18+ आयु के लोगों को बूस्टर डोज दिए जाने में तेजी की अपेक्षा है। बूस्टर डोज की महत्ता और बूस्टर टीकाकरण केंद्रों के बारे में आमजन को जागरूक किया जाए। 12-18 आयु वर्ग के किशोरों को दूसरी डोज देने में तेजी की जरूरत है। किसानों के हित संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए गेहूं खरीद की प्रक्रिया आगामी 30 जून तक जारी रखा जाए। क्रय अवधि बढ़ाने का आदेश तत्काल प्रभावी करें। आगामी दिनों में मानसून और बारिश की संभावना को देखते हुए खरीदे जा रहे गेहूं की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस के बेड़े में और बढ़ोतरी आवश्यक है। सभी मोबाइल मेडिकल वैन क्रियाशील रहें। इनका रिस्पांस टाइम न्यूनतम रखे जाने के लिए तकनीकी सहयोग लिया जाना चाहिए।

दिल्ली पुलिस पर भड़के लालू के समधी बोले- 'मैं यदुवंशी हूं...जरा धीरे बोल'

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जहां प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ लगातार तीसरे दिन भी जारी है, वहीं कांग्रेस के बड़े नेता सड़कों पर उतर गए हैं। इस बीच बुधवार को

राजधानी दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने के लिए जाने के दौरान हरियाणा के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव को दिल्ली पुलिस ने रोका तो वे झल्ला गए। इस दौरान वह दिल्ली पुलिस के कर्मियों से इतने नाराज हुए कि उन्होंने यहां तक कह दिया- 'मैं यदुवंशी हूं... किसी से नहीं डरता।' हुआ यूं कि दिल्ली पुलिस प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने वाले नेताओं को बस में बैठा कर अन्य जगहों पर ले जाना चाहती है, जिससे अव्यवस्था यहां पर नहीं फैले। इसी कड़ी में बुधवार को प्रदर्शन कर रहे नेताओं को दिल्ली पुलिस कर्मियों ने बस में बैठने के लिए कहा। इसी बात पर कैप्टय अजय सिंह यादव भड़क गए। पुलिस वाले ने बस में बैठने के लिए कहा तो कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि जरा धीरे बोल... यदुवंशी हूं... समझ गया ना...ये मत समझना कि यूं ही हूं मैं... यदुवंशी हूं मैं।' वहीं, इस पूरे घटनाक्रम को लेकर वहां मौजूद मीडिया कर्मियों से इशारों-इशारों में कहा कि ये लोग लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। बता दें कि हरियाणा के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के समधी हैं। लालू प्रसाद यादव की बेटी अनुष्का की शादी कैप्टन अजय सिंह यादव के बेटे चिरंजीव राव से हुई है। यहां पर बता दें कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से ईडी द्वारा तीसरे दिन भी पूछताछ के कारण मध्य दिल्ली इलाके की यातायात व्यवस्था प्रभावित है। यातायात पुलिस ने गोल डाकखाना, विंडसर प्लेस, तीन मूर्ति चौक, पटेल चौक और पृथ्वीराज रोड की ओर जाने वाली बसों को प्रतिबंधित किया है। इसके साथ ही यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को मोतीलाल नेहरू मार्ग, अकबर रोड, जनपथ रोड और मानसिंह रोड से बचकर निकलने की सलाह दी है।

ईडी ने मनी लान्ड्रिंग केस में दो लोगों को किया गिरफ्तार नकली कंपनियों के जरिए विदेश भेजे थे 425 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने नकली या मुखौटा कंपनियों का इस्तेमाल कर यूएई और हांगकांग कथित रूप से 425 करोड़ रुपये भेजने से जुड़ी मनी लान्ड्रिंग जांच के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ईडी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि विकास कालरा और सिद्धांत गुप्ता को 13 जून को गिरफ्तार किया गया था। दोनों को बाद में एक विशेष मनी लान्ड्रिंग निवारण अधिनियम अदालत ने 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामला 19 नकली भारतीय संस्थाओं का उपयोग कर-के भारत के बाहर धोखाधड़ी से 425 करोड़ रुपये भेजने से संबंधित है। ईडी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, 'मनी लान्ड्रिंग का मामला पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा 19 संस्थाओं के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से उपजा है। इन संस्थाओं ने अपनी मिंट स्ट्रीट, चेन्नई शाखा के साथ खाते खोले और छह महीने की अवधि में हांगकांग और यूएई में विभिन्न संस्थाओं को 425 करोड़ रुपये भेजे। जब इनका सत्यापन किया गया तो इन संस्थाओं का अस्तित्व नहीं पाया गया। वास्तविक लाभार्थी भारत के बाहर की संस्थाओं के प्रमोटर निदेशक पाए गए, जिन्हें गिरफ्तार कर लाया रहा है।' ईडी ने आरोप लगाया कि इस संबंध में पकड़े गए

आरोपियों में एक विकास कालरा ने हांगकांग में तीन संस्थाओं को शामिल किया था, जिनमें वह एकमात्र निदेशक था। इसका इस्तेमाल 18.95 करोड़ रुपये के शोधन के लिए किया था। इसी तरह दूसरे आरोपी सिद्धांत गुप्ता ने हांगकांग में एक इकाई को शामिल किया, जिसके माध्यम से 2.5 करोड़ रुपये का शोधन किया गया।

टिकैत ने कहा, बुलडोजर की कार्रवाई एक पक्षीय न हो, सरकार विचार करे दंगे के हालात क्यों बने

मुजफ्फरनगर। भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि किसान बड़े आंदोलन को तैयार रहे, सरकार वादे पूरी नहीं कर रही है। सरकार की गलत नीतियों के चलते देश मजदूरों की बड़ी कालोनी बनता जा रहा है। बुलडोजर की कार्रवाई एक पक्षीय नहीं होनी चाहिए, सरकार विचार करे कि दंगे के हालात क्यों पैदा हुए?

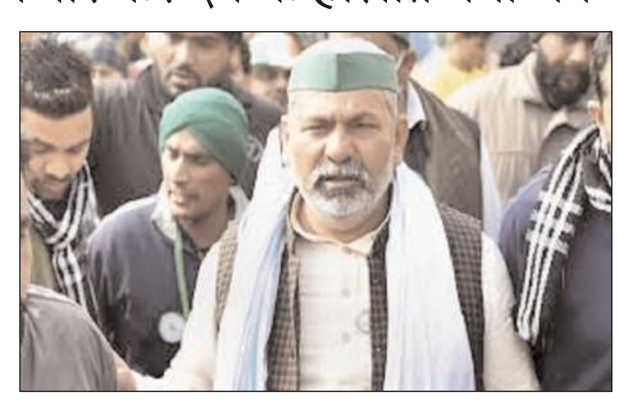

हरिद्वार में किसान पंचायत होगी– सरकुलर रोड स्थित टिकैत आवास पर भाकियू प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव से पूर्व सरकार ने किसानों से ढेरों वादे किए थे, लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया जा रहा है। किसानों को समय से गन्ना भुगतान नहीं हो रहा। मुफ्त बिजली दिए जाने का वायदा हवा-हवाई साबित हो रहा। बिजली समस्या विकराल रूप धारण ले कर रही है। किसानों के नलकूपों पर मीटर लगाए जा रहे हैं, जिसका भाकियू विरोध करेगी। इन मुद्दों को लेकर 16 से 18 जून को हरिद्वार में किसान पंचायत होगी। कहा कि बिजली के मुद्दे पर भाकियू मेरठ में 27 जून को पावर कारपोरेशन के एमडी कार्यालय पर पंचायत करेगी। चौ. राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों की फसल सस्ते में लूटी जा रही हैं।

देश में केवल वोट के लिए काम हो रहा– एमएसपी बढ़ाने का सरकार का मैकेनिज्म ठीक नहीं है। आठ साल में देश में 16 करोड़ युवा बेरोजगार हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि प्रति वर्ष देश में दो करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे, लेकिन रोजगार नहीं मिल रहा है। आरोप लगाया कि देश में केवल वोट के लिए काम हो रहा है।

कुछ जगहों पर बुलडोजर भेदभाव से चल रहा है। सरकार को विकास का माडल तैयार करना चाहिए और शिक्षा पर काम हो। उन्होंने कहा कि देश के हालात अजीब बनते जा रहे हैं। देश आने वाले वक्त में मजदूर कालोनी बन जाएगा। बड़ी-बड़ी कंपनियां देश में आएंगी। वहीं खेती करेंगी और फैक्ट्री लगाएंगी।

राहुल के समर्थन में अखिलेश ने भाजपा सरकार पर कसा तंज, बोले- ईडी फुल फार्म एग्जामिनेशन इन डेमोक्रेसी

लखनऊ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ के चलते देशभर में कांग्रेस नेता हंगामा और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पूछताछ के तीसरे दिन यानी आज इस

मामले में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार के खिलाफ इस मामले में विरोध दर्ज करते हुए ट्वीट कर केन्द्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय पर निशाना साधा है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए ईडी का फुल फार्म एग्जामिनेशन इन डेमोक्रेसी बताया। अखिलेश ने कहा कि, ईडी का मतलब अब 'Examination in Democracy' बन गया है। राजनीति में विपक्ष को ये परीक्षा पास करनी होती है। जब सरकार स्वयं फेल हो जाती है तब वो इस परीक्षा की घोषणा करती है। जिनकी तैयारी अच्छी होती है वो न तो लिखा-पढ़ी की परीक्षा से डरते हैं, न मौखिक से और कभी डरना भी नहीं चाहिए। बता दें कि नेशनल हेराल्ड मामले में वायनाड से सांसद राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय की टीम आज तीसरे दिन पूछताछ कर रही है। ईडी ने राहुल और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को समन भेजा था लेकिन सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से पूछताछ में शामिल नहीं हो पाई। ईडी की पूछताछ करने के विरोध में कांग्रेसी नेता प्रदर्शन कर रहे हैं।

ईडी दफ्तर में राहुल गांधी से पूछताछ के बीच उग्र हुआ कांग्रेस का प्रदर्शन, जलाए गए टायर, हिरासत में कई नेता

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में लगातार तीसरे दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय में पूछताछ चल रही है। हालांकि, राहुल गांधी से ईडी दफ्तर में पूछताछ के बीच कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन देखने को मिला है। कांग्रेस कार्यकताओं ने केंद्र सरकार का विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकताओं ने टायर भी जलाए। यहीं नहीं कांग्रेस नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में भी लिया। इससे पहले नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी से लगातार दो दिनों तक ईडी दफ्तर में पूछताछ हुई थी। दूसरे दिन ईडी ने राहुल गांधी से नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में करीब 11 घंटे तक पूछताछ की थी। वहीं, सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से ईडी अधिकारियों ने करीब 10 घंटे तक पूछताछ की थी।

रणदीप सुरजेवाला ने दिल्ली पुलिस पर लगाए आरोप– कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने दिल्ली पुलिस और सरकार पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा, मोदी सरकार और दिल्ली पुलिस अब गुंडागर्दी पर उतर आई है, AICC के कार्यालय में घुस कर कार्यकताओं और नेताओं को मारना पीटना संयम की सब हदें पार कर गई है। दिल्ली पुलिस के कठपुतली अधिकारी भी जान लें कि ये याद रखा जाएगा। हम गांधीवादी, शांतिप्रिय और अहिंसक हैं। आप अगर नेमप्लेट उतार कर दफ्तर के दरवाजे तोड़ कर गुंडागर्दी करेंगे तो फिर ये मत समझिए

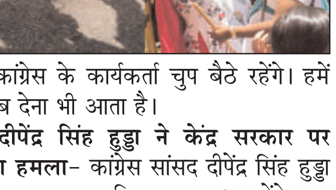

कि कांग्रेस के कार्यकर्ता चुप बैठे रहेंगे। हमें जवाब देना भी आता है।

दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने केंद्र सरकार पर बोला हमला– कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमें अपने ही पार्टी मुख्यालय जाने से रोका जा रहा है। मेरे सरकारी आवासीय परिसर को बैरिकेड्स लगाकर सील कर दिया गया है। यह राजनीतिक बदले की ओर इशारा करता है।

कांग्रेस कार्यकताओं ने जलाए टायर– नेशनल हेराल्ड मामले में पार्टी नेता राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की जांच के विरोध में प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय के बाहर कांग्रेस कार्यकताओं ने टायर जलाकर विरोध जताया।

अधीर रंजन चौधरी ने सरकार पर साधा निशाना– कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा ये सरकार अपराधी है, अगर ये अपराधी न होते तो प्रजातंत्र की धज्जियां नहीं उड़ाते। प्रशासन को कुछ कहते हैं तो ये बोलते है कि हमें ऊपर से निर्देश दिए गए हैं, यानि इन्हें मोदी-शाह ने निर्देश दिया है। हिंदुस्तान में ऐसी बर्बरता पहले नहीं देखी गई।

कांग्रेस मुख्यालय के बाहर हिरासत में लिए गए कई नेता– राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ का विरोध कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ता और नेताओं को अक्ळउ कार्यालय के बाहर पुलिस ने हिरासत में लिया है। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा क्या हम आतंकवादी हैं, तुम हमसे क्यों डरते हो। वे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस बल का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारत-चीन सीमा विवाद पर आरएसएस नेता राम माधव बोले, कोई नहीं जानता इस मुद्दे को कौन सुलझाएगा

नई दिल्ली। आरएसएस नेता राम माधव ने कहा कि भारत-चीन सीमा मुद्दे पर 'मुझे इस विवाद को अपने जीवनकाल में सुलझाना चाहिए' का दृष्टिकोण काम नहीं करेगा। उन्होंने तर्क दिया कि लंबे समय से चली आ रही तकरार चीन जैसे 'सांस्कृतिक राष्ट्र' से निपटने में मदद नहीं करेगी। कर्नल अनिल भट्ट, वीएसएम (सेवानिवृत्त) की एक पुस्तक 'चाइना ब्लडीज बुलेटलेस बार्डर्स' का विमोचन करते हुए, दोनों देशों के बीच 1962 के युद्ध के बाद से भारत-चीन के अशांत संबंधों का विवरण देते हुए माधव ने कहा कि किसी को भी इसे 'विरासत का मुद्दा' नहीं बनाना चाहिए। कोई नहीं जानता कि आखिर कौन इस मुद्दे को सुलझाएगा। मंगलवार को राम माधव ने कहा, 'क्या आप जानते हैं कि तत्कालीन सोवियत संघ और चीन के बीच महान सीमा विवाद को बोरिस येल्तसिन (पहले रूसी राष्ट्रपति) नामक एक पूरी तरह से नशे में धुत नेता ने हल किया था। अब, किसने सोचा होगा कि येल्तसिन आखिरकार उस मुद्दे को सुलझा लेंगे। लेकिन उन्होंने ऐसा किया। यह उनके क्रेडिट में चला गया।' राम माधव ने कहा कि 'एक (भारत-चीन सीमा) समाधान के लिए जल्दी मत करो. यह सुलझने वाला नहीं है, क्योंकि आप किसी अन्य देश से नहीं, बल्कि एक सभ्यता, एक सांस्कृतिक राष्ट्र के साथ समझौता कर रहे हैं।' सोवियत संघ के राजनेता येल्तसिन शीत युद्ध की समाप्ति पर रूसी संघ के पहले राष्ट्रपति (1991-99) बने। आरएसएस नेता ने तर्क दिया कि जहां भारतीयों को एक बहुत ही 'रोमांटिक और आदर्शवादी संस्कृति' में प्रशिक्षित किया जाता है, जहां युद्ध की रणनीति में भी हम अर्जुन (महाकाव्य महाभारत में पांच पांडवों में से एक) के एकल-दिमाग वाले फोकस को याद करते हैं, वहीं दूसरी ओर चीन एक के बजाय एक बार में पांच लक्ष्य पर निशाना लगाने में विश्वास रखता है।

संपादकीय

नरमी का रुख

महंगाई पर काबू पाने के सरकार के प्रयासों का असर दिखने लगा है। खुदरा महंगाई दर में कमी दर्ज हुई है। मगर अब भी यह 7.04 फीसद पर बनी हुई है। इसे संतोषजनक स्तर नहीं कहा जा सकता, फिर भी इसका रुख उतार पर होने की वजह से उम्मीद बनी है कि जल्दी ही उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिलेगी। अच्छी बात है कि खाने-पीने की वस्तुओं के दाम में कमी दर्ज हुई है। अनाज और खाद्य तेलों की कीमतें घटी हैं। खासकर खाद्य तेलों में पिछले महीने की तुलना में करीब चार फीसद की गिरावट आई है। इसके पीछे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी और बैंक दरों में बढ़ोतरी वजह बताई जा रही है। बढ़ती महांगाई को लेकर जिस तरह हाहाकार की स्थिति थी, उसमें सरकार ने अपना पूरा ध्यान इसे काबू करने पर केंद्रित कर दिया था। उसी क्रम में पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किया गया और राज्य सरकारों से मूल्य वर्द्धित कर यानी वैट कम करने की अपील की गई थी। उसके बाद से तेल की कीमतें बढ़ाई भी नहीं गईं। स्वाभाविक ही उसका असर माल ढुलाई और वस्तुओं की उत्पादन लागत पर पड़ा है। फिर चीनी, गेहूं, तिलहन आदि के निर्यात पर रोक लगाई गई और खाद्य तेलों के आयात पर शुल्क कम कर दिया गया। बहुत सारे लोगों को रोजगार के मोर्चे पर जूझना पड़ रहा है। सूक्ष्म छोटे और मंझोले उद्योगों में काम करने वाले बहुत सारे लोगों का रोजगार छिन गया, तो बहुत सारे कारोबारियों ने भी अपने धंधे समेट लिए। भवन निर्माण क्षेत्र में लगातार सुस्ती बनी हुई है। फिर बाजार में पूंजी का प्रवाह न बढ़ने से बड़े उद्योगों की स्थिति भी कुछ ठीक नहीं है। कई विदेशी कंपनियां अपना काम-धंधा समेट कर वापस लौट गई हैं। ऐसे में एक बड़े वर्ग की क्रय शक्ति काफी घट गई है। वे बहुत सोच-समझ कर अपनी जेब में हाथ डालते हैं। बढ़ती महंगाई के चलते उन्हें दोहरी मार झेलनी पड़ रही थी। रोजमर्रा की चीजों के लिए भी उन्हें कई बार सोचना पड़ता था। खुदरा मुद्रास्फीति उतार पर होने से उन्होंने स्वाभाविक ही राहत की सांस ली है। मगर मौजूदा दर भी छह फीसद से ऊपर है और संतोषजनक स्तर तक पहुंचाने के लिए फिलहाल आजमाए जा रहे उपायों को लंबे समय तक जारी रखना पड़ेगा। देखने की बात है कि सरकार ऐसा कब तक कर पाती है। आमतौर पर खुदरा महंगाई तब बढ़ती है, जब कृषि क्षेत्र में कोई गंभीर प्राकृतिक आपदा आती है। मगर इस साल ऐसा नहीं है। सब्जियों, फलों और अनाज का उत्पादन संतोषजनक है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से ढुलाई का खर्च बढ़ गया, जिसके चलते बाजार तक इन चीजों की पहुंच महंगी हो गई। फिलहाल तेल पर उत्पाद शुल्क घटा कर सरकार ने इसे काबू में करने का प्रयास किया है, पर इसे लंबे समय तक वह शायद ही जारी रख सके। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत अब भी ऊंची है। फिर बैंक दर को भी अगर थोड़े-थोड़े अंतराल पर बढ़ाया जाता रहा, तो उसका अन्य उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, इसलिए सरकार के लिए ऐसा कर पाना चुनौती भरा काम होगा। महंगाई का संबंध बेरोजगारी से भी होता है। जब तक रोजगार सृजन पर गंभीरता और व्यावहारिक ढंग ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक तदर्थ उपायों से महंगाई पर अंकुश लगाना कठिन बना रहेगा। फिर महंगाई और ऊंची विकास दर एक साथ संभव नहीं हो सकता।

चर्चे की शुरूआत!

राष्ट्रपति चुनाव की ।
चर्चे की शुरूआत ।।
मिलने लगे खास लोग ।
बने शायद बात।।
है सबको पसंद ।
मिल जाए ये पद ।।
और फिर बढ़ जाए ।
त्वरित हमारा कद ।।
आशा के अनुरूप ।
हो पूरा ये काम ।।
कई हैं कतार में ।
पाने को मुकाम ।।
दिन नहीं अब दूर ।
हो जाना है तय ।।
कौन लड़खड़ाएगा ?
किसे मिलेगी लय ।।

–कृष्णेन्द्र राय

चिकित्सा शिक्षा में गुणवत्ता का अभाव

एमबीबीएस शिक्षा के साथ कई तरह के खिलवाड़ हो रहे हैं। कायदे से मेडिकल कालेज में उन्हीं छात्रों को प्रवेश मिलना चाहिए जो सीटों की संख्या के अनुसार नीट परीक्षा से चयनित हुए हैं। लेकिन आलम है कि जो छात्र दो लाख से भी ऊपर की रैंक में हैं, उसे भी धन के बूते प्रवेश मिल जा रहा है। देश में चिकित्सकों की कमी के बावजूद चिकित्सा शिक्षा की स्नातकोत्तर कक्षाओं में एक हजार चार सौ छप्पन सीटें खाली रह जाना चिंता की बात है। ये सीटें राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट पीजी) के बाद खाली रही हैं। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी नाराजगी जताते हुए चिकित्सा परामर्श समिति (एमसीसी) को कड़ी फटकार लगाई थी। साथ ही हिदायत दी थी कि एक भी सीट खाली नहीं रहना चाहिए, इसलिए विशेष परामर्श के बाद सीटें भरी जाएं। किंतु अगली सुनवाई में न्यायालय ने केंद्र सरकार और एमसीसी के फैसले को सही मानते हुए कहा कि इसे मनमाना निर्णय नहीं कह सकते, क्योंकि पढ़ाई की गुणवत्ता से समझौता नहीं कर सकते। यदि ऐसा करते हैं तो लोक स्वास्थ्य प्रभावित होगा। अतएव एमसीसी का निर्णय जन-स्वास्थ्य के हित में है। इस परिप्रेक्ष्य में विडंबना यह है कि एक तरफ तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी के चलते बड़ी संख्या में सीटें खाली रह गईं, तो दूसरी तरफ कई प्रतिभावान छात्र जटिल विषयों में स्नातकोत्तर करना ही नहीं चाहते।

जब कोई एक प्रचलित व्यवस्था संकट में आती है, तो कई संदेहास्पद सवालों का उठना लाजिमी है। चिकित्सा विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में खाली सीटें रह जाने के पीछे एक कारण छात्रों की रुचि नहीं होना भी है। इस परिप्रेक्ष्य में 2015-16 में शल्य चिकित्सा (हृदय) में एक सौ चार, हृदय रोग विशेषज्ञ में पचपन, बाल रोग विशेषज्ञ में सत्तासी, प्लास्टिक सर्जरी में 58, स्नायु-तंत्र विशेषज्ञ में अड़तालीस और स्नायु तंत्र शल्यक्रिया विशेषज्ञों की भी अड़तालीस सीटें खाली रह गईं थीं। इस कमी के दो कारण गिनाए गए थे।

एक तो यह कि इन पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के लिए योग्य अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में नहीं मिले और दूसरा यह कि स्नातकोत्तर के लिए जो योग्य विद्यार्थी मिले भी, उन्होंने इन पाठ्यक्रमों में पढ़ने से मना कर दिया। अब एक हजार चार सौ छप्पन सीटें खाली रहने के पीछे योग्य विद्यार्थियों का उपलब्ध नहीं होना बताया है। आखिर क्या कारण हैं कि चिकित्सा शिक्षा में अनेक सुविधाएं बढ़ जाने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का संकट गहराता जा रहा है? चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि आज के विद्यार्थी उन पाठ्यक्रमों में अध्ययन करना नहीं चाहते, जिनमें विशेषज्ञता हासिल करने में लंबा समय लगता है। इसके उलट वे ऐसे पाठ्यक्रमों में दक्षता हासिल करना चाहते हैं, जहां जल्दी ही विशेषज्ञता की उपाधि मिल जाए और धन कमाने के अवसर मिल सकें। गुर्दा, नाक, कान, दांत, गला रोग एवं विभिन्न तकनीकी जांच विशेषज्ञ पैंतीस साल की उम्र पर पहुंचने के बाद शल्य क्रिया शुरू कर देते हैं, जबकि हृदय और तांत्रिका-तंत्र विशेषयज्ञों को यह अवसर चालीस-पैंतालीस साल की उम्र के बाद मिल पाता है। साफ है, दिल और दिमाग का मामला बेहद नाजुक है, इसलिए इनमें लंबा अनुभव भी जरूरी है। लेकिन यह समस्या अनवरत बनी रही तो भविष्य में इन रोगों के उपचार से जुड़े चिकित्सकों की कमी पड़ना तय है। इस व्यवस्था में कमी कहां है, इसे ढूंढ़ना और फिर उसका निराकरण करना तो सरकार और ऐलौपैथी शिक्षा से जुड़े लोगों का काम है। लेकिन फिलहाल इसके कारणों की पृष्ठभूमि में भारतीय चिकित्सा परिषद् को खारिज कर ह्यराष्ट्रीय चिकित्सा परिषदूह्न बनाना और चिकित्सा शिक्षा का लगातार मंहगे होते जाना तो नहीं?

एनएमसी का गठन साल 2016 में किया गया था। इसका मकसद चिकित्सा शिक्षा के गिरते स्तर को सुधारना, इस पेशे को भ्रष्ट्राचार मुक्त बनाना और निजी चिकित्सा महाविद्यालयों के अनैतिक गठजोड़ को तोड़ना था। लेकिन जब एनएमसी कानून के रूप में आया तो इसमें एक बड़ा लोचा यह रह गया कि आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सक भी सरकारी स्तर पर सेतु पाठ्यक्रम (ब्रिज कोर्स) करके वैधानिक रूप से ऐलौपेथी चिकित्सा करने का हक पा लेते हैं। यह सिलसिला स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से देशभर में चल भी पड़ा। इस पाठ्यक्रम की पच्चीस हजार रुपए है। हालांकि अभी भी इनमें से ज्यादातर चिकित्सक बेखटके एलौपैथी की दवाएं लिखते हैं, किंतु यह व्यवस्था अभी गैर-कानूनी है और जिले के सरकारी स्वास्थ्य विभाग के कदाचरण पर चलती है। संभव है, इस विरोधाभास को खत्म करने और गैर-कानूनी इलाज को कानूनी बना देने के नजरिए से ही इस कानून में सेतु-पाठ्यक्रम की सुविधा देकर इन्हें ऐलोपैथी चिकित्सा की वैधता प्रदान करना रहा हो? इसीलिए सवाल उठा कि क्या किसी साधारण आटो-टैक्सी लाइसेंसधारी चालक को कुछ समय का प्रशिक्षण देकर हवाई जहाज चलाने की अनुमति दी जा सकती है? दरअसल, उपचार की हरेक पद्धति एक वैज्ञानिक पद्धति है और सैकड़ों साल के प्रयोगों व प्रशिक्षण से वह परिपूर्ण हुई हैं। सबकी पढ़ाई भिन्न हैं। रोग के लक्षणों को जानने के तरीके भिन्न हैं और दवाएं भी भिन्न हैं। ऐसे में चार-छह माह की भिन्न पढ़ाई करके कोई भी वैकल्पिक चिकित्सक ऐलौपैथी का चिकित्सक या विशेषज्ञ कैसे बन सकता है? एमबीबीएस और इससे जुड़े विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश की परीक्षा काफी कठिन होती है। एमबीबीएस में कुल सड़सठ हजार दो सौ अठारह सीटें हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित मानक के अनुसार एक हजार की आबादी पर एक चिकित्सक होना चाहिए, जबकि हमारे यहां यह अनुपात 0.62 का है। 2015 में राज्यसभा में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बताया था कि देश में चौदह लाख एलोपैथिक चिकित्सकों की कमी है। किंतु अब यह आंकड़ा बीस लाख के पार निकल गया है। इसी तरह देश में चालीस लाख नर्सों की कमी है। सरकारी जिला अस्पतालों से लेकर अन्य सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर तकनीशियन की पूर्ति उपकरणों के अनुपात में नहीं हुई। देखा जाए तो एमबीबीएस शिक्षा के साथ कई तरह के खिलवाड़ हो रहे हैं। कायदे से मेडिकल कालेज में उन्हीं छात्रों को प्रवेश मिलना चाहिए जो सीटों की संख्या के अनुसार नीट परीक्षा से चयनित हुए हैं। लेकिन आलम है कि जो छात्र दो लाख से भी ऊपर की रैंक में हैं, उसे भी धन के बूते प्रवेश मिल जा रहा है। यह स्थिति इसलिए बनी हुई है क्योंकि जो मेधावी छात्र निजी कालेज का शुल्क अदा करने में सक्षम नहीं हैं, वे मजबूरी वश अपनी सीट छोड़ देते हैं। बाद में इसी सीट को निचली श्रेणी में स्थान प्राप्त छात्र खरीद कर प्रवेश पा जाते हैं। इस सीट की कीमत साठ लाख से एक करोड़ तक होती है। वैसे देश के सरकारी कालेजों की एक साल की फीस महज चार लाख है, जबकि निजी विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में यही शुल्क चौंसठ लाख रुपए है। यही धांधली एनआरआइ और अल्पसंख्यक कोटे के छात्रों के साथ बरती जा रही है। एमडी में प्रवेश के लिए निजी संस्थानों में जो प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र और अनुदान आधारित सीटें हैं, उनमें प्रवेश शुल्क की राशि दो करोड़ से पांच करोड़ है। एक ओर तो हम आरक्षण के नाम पर जाति आधारित योग्यता व अयोग्यता का ढिंढोरा पीटते हैं, वहीं दूसरी तरफ इस कानून के जरिए में निजी महाविद्यालयों को साठ फीसद सीटें प्रबंधन की मनमर्जी से भरने की छूट मिल गई है। अब केवल चालीस फीसदी सीटें ही प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से भरी जाएंगी।

उत्तर प्रदेश की विधान परिषद जल्द होगी कांग्रेस मुक्त

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कांग्रेस मुक्त भारत का सपना भले अभी नहीं पूरा हुआ हो, लेकिन उत्तर प्रदेश विधान परिषद जल्द ही कांग्रेस मुक्त होने जा रही है। जुलाई में उत्तर प्रदेश विधान परिषद में कांग्रेस की स्थिति शून्य पर आकर रुक जाएगी। क्योंकि इससे नीचे गिराव संभव ही नहीं है। इससे उत्साहित बीजेपी वाले कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री के कांग्रेस मुक्त भारत वाले सपने का यह पहला कदम है। बीजेपी और विपक्ष भले ही कांग्रेस की दुर्गति से खुशी महसूस कर रहे हो, लेकिन कांग्रेस के लिए यह काफी शर्मनाक स्थिति है। कांग्रेस उसी उत्तर प्रदेश में रसातल की ओर चली गई है, जिसके बल पर उसने दशकों तक केंद्र और प्रदेश में राज किया था। कांग्रेस के पुराने दिक्कत नेता भी इस स्थिति से काफी असहज महसूस कर रहे हैं, यह और बात है कि गाँधी परिवार की चाटुकारिता के चलते मुंह खोलने से बच रहे हैं। वैसे स्थिति सपा-बसपा के लिए भी अच्छी नहीं है। इसके उलट भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा में अपना बहुमत पूरा करने का स्वर्णिम इतिहास बनाने जा रही है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के इतिहास में कांग्रेस का सबसे बुरा और भाजपा का सबसे अच्छा दौर सात जुलाई से प्रारंभ होगा। जब भाजपा 73 सदस्यों के साथ परिषद की लगभग दो तिहाई सीटों पर काबिज होगी। वहीं समाजवादी पार्टी भी अपने राजनीतिक इतिहास के सफर में सबसे कमजोर स्थिति में पहुंचने वाली है। वही बसपा मात्र एक सीट के साथ सबसे बुरा दौर देखेगी। बात कांग्रेस की की जाए तो कांग्रेस के एक मात्र सदस्य दीपक सिंह का जुलाई में कार्यकाल समाप्त होने के बाद परिषद में कांग्रेस का कोई सदस्य नहीं रह जाएगा। गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 13 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा के 9 और सपा के चार उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। 13 जून सोमवार को परिणाम घोषित होने के बाद विधान परिषद में भाजपा की सदस्य संख्या 66 से बढ़कर 73 हो गई है। इसमें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी पहले से परिषद सदस्य थे। जबकि पांच मंत्रियों सहित भाजपा के सात नए सदस्य चुने गए है। सपा की सदस्य संख्या 11 से घटकर 9 हो गई है। भीमराव आंबेडकर बसपा के एकमात्र सदस्य बचे है, उनका कार्यकाल 5 मई 2024 तक का है। अन्य दलों की विधान परिषद में संख्या बल की बात की जाए तो रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की जनसत्ता दल लोकतांत्रिक से अक्षय प्रताप सिंह, अपना दल के आशीष पटेल, शिक्षक दल (गैर राजनीतिक दल) से सुरेश कुमार त्रिपाठी व ध्रुव कुमार त्रिपाठी और निर्दलीय समूह से राज बहादुर सिंह चंदेल व डॉ. आकाश अग्रवाल जबकि विक्रांत सिंह और अन्नपूर्णा सिंह स्थानीय निकाय क्षेत्र से उत्तर प्रदेश विधानसभा परिषद में निर्दलीय सदस्य है। परिषद में सात जुलाई से सपा की सदस्य संख्या मात्र 9 पर आकर सिमट जाएगी। इस वजह से समाजवादी पार्टी का विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष का पद भी खतरे में पड़ जाएगा। संसदीय नियमावली के अनुसार सत्ता पक्ष के बाद दूसरे सबसे बड़े विरोधी दल की सदस्य संख्या कम से कम दस प्रतिशत होने पर ही नेता प्रतिपक्ष चुना जाता है। जबकि सपा की सदस्य संख्या 9 (नौ प्रतिशत) ही है। ऐसे में सपा से नेता प्रतिपक्ष चुना जाएगा या नहीं, इस पर संशय बरकरार है।

द्वितीय हिन्दू राष्ट्र संसद में प्रति वर्ष जनप्रतिनिधियों का मूल्यांकन करने का प्रस्ताव!

संविधान से सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द हटाने की मांग !

पश्चिमी संविधान बनाते समय यदि ईसाई बहुल देश में बाइबिल का आधार लेकर और इस्लामिक देश में कुरान-हदीस का आधार लेकर संविधान बनाया जाता हो, तो भारतीय संविधान बनाते समय वह धर्मनिरपेक्ष क्यों ? भारतीय संविधान में पंथ (रिलीजन) और धर्म की निश्चित व्याख्या स्पष्ट की जाए । वर्ष 1976 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल में संविधान में 42 वां संशोधन कर पंथनिरपेक्ष (सेक्युलर) और समाजवादी (सोशलिस्ट) शब्द संविधान में जोडे । यह कृत्य असंवैधानिक होने के कारण पंथनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द संविधान से हटाए जाएं, ऐसी मांग गोवा में हो रहे दशम अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन की द्वितीय हिन्दू राष्ट्र संसद में की गई । राजनीतिक दल चुनाव के समय घोषणापत्र घोषित करते हैं, उन घोषणापत्रों को निर्वाचन आयोग द्वारा वैधानिक कागजातों की श्रेणी दी जाए तथा उनमें दिए गए आश्वासनों पर क्रियान्वयन हो रहा है कि नहीं, यह देखा जाए । उसके साथ ही प्रत्येक जनप्रतिनिधि के काम का मूल्यांकन उनके मतदारसंघ के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष किया जाए, ऐसा प्रस्ताव भी इस समय पारित किया गया । हिन्दू राष्ट्र की स्थापना का संवैधानिक मार्ग, इस विषय आयोजित संसद में सभापति के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता उमेश शर्मा, उपसभापति के रूप में हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. रमेश शिंदे और सचिव के रूप में सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. चेतन राजहंस ने काम देखा ।

हिन्दू राष्ट्र संसद में पारित किए गए प्रस्ताव !– भारत में घुसपैठिए रोहिंग्या तथा बांग्लादेशी मुसलमानों की संख्या बडी मात्रा में बढ गई है । उन्हें जाली मतदान पत्र और जाली आधारकार्ड बनाकर देनेवालों पर देशद्रोह का अपराध प्रविष्ट किया जाए, भारतीय संसद में लव जिहाद विरोधी राष्ट्रव्यापी कानून बनाया जाए तथा जो हिन्दू युवतियां मुसलमानों से निकाह करेंगी, एक वर्ष पश्चात उनकी महिला आयोग के सामने साक्ष्य हो तथा उन पर धर्मांतरण का दबाव तो नहीं बनाया जाता, उनका शारीरिक शोषण तो नहीं किया जाता, इसकी वास्तविकता जानी जाए, वर्ष 1991 का प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट निरस्त करने की दृष्टि से प्रयत्न किया जाए, जिस प्रकार मदरसा शिक्षा बोर्ड है, उसी प्रकार गुरुकुल शिक्षा बोर्ड स्थापित किया जाए और उसके शिक्षा विभाग प्रमुख वेद, संस्कृत भाषा में पारंगत हो, इन प्रस्तावों सहित अन्य प्रस्ताव भी इस समय पारित किए गए । इस अधिवेशन का सीधा प्रसारण यू-ट्यूब चैनल 'HinduJagruti' द्वारा भी किया जा रहा है ।

बायोटेक क्षेत्र की प्रगति में महिला उद्यमिओं की भूमिका अहम

बायोटेक स्टार्टअप के क्षेत्र में भारत, महिलाओं के लिए विशिष्ट परियोजनाओं से महिलाओं के नेतृत्व वाली परियोजनाओं की ओर बढ़ रहा है। भारत अगले 04 वर्षों में बायोटेक क्षेत्र को 70 अरब (बिलियन) अमेरिकी डॉलर से 150 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने की ओर देख रहा है। इस लक्ष्य को महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना पूरा नहीं किया जा सकता। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने यह बात कही है।

नई दिल्ली में आयोजित बायोटेक स्टार्ट-अप्स प्रदर्शनी (एक्सपो) में 75 महिला बायोटेक उद्यमियों का संग्रह और स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के दौरान निर्मित 75 बायोटेक उत्पाद" पर आधारित पुस्तिकाओं के विमोचन के अवसर पर डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि महिला उद्यमी-स्वामित्व वाली बायोटेक कंपनियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। उन्होंने कहा कि महिला वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष, परमाणु विज्ञान, ड्रोन और नैनो-प्रौद्योगिकी में अपनी जगह बनायी है, और वर्ष 2023 में शुरू होने वाले गगनयान मिशन सहित कई बड़ी वैज्ञानिक परियोजनाओं का नेतृत्व महिला वैज्ञानिक कर रही हैं। डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) में महिला वैज्ञानिकों को आकर्षित करने और बेरोजगार महिला वैज्ञानिकों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए विशेष योजनाएं संचालित की जा रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बाजार की स्थिति, विभिन्न व्यावसायिक अवसरों तक पहुँच और व्यवसाय स्वामित्व की दुनिया में महिला उद्यमियों की छलांग लगाने की तत्परता एक विजयी ट्रिफेक्टा बनाती हैं। डॉ जितेंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्टार्टअप्स को सहायता और सक्षम वातावरण प्रदान किया गया है, जिससे पिछले 08 वर्षों के दौरान देश में बायोटेक स्टार्टअप्स की संख्या 50 से बढ़कर 5,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि जैव-प्रौद्योगिकी, जैव-अर्थव्यवस्था को संचालित करने वाली प्रमुख सक्षम तकनीक है, जिसे एक उभरते क्षेत्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत, जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पूरे विश्व में 12वाँ, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तीसरा और विश्व का सबसे बड़ा वैक्सीन निमार्ता देश है। डॉ सिंह ने कहा कि अगले 25 वर्षों की अमृतकाल अवधि में इस इकोसिस्टम और नवाचार की संस्कृति के निर्माण व इसकी सहायता करने के लिए छोटे व बड़े उद्योग और शिक्षाविदों को एक साथ आना होगा। डॉ जितेंद्र सिंह ने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने बायोटेक अनुसंधान में महिला वैज्ञानिकों की भागीदारी बढ़ाने और क्षमता निर्माण के लिए बायोकेयर कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि बायोटेक उद्यमिता में महिलाओं को पुरस्कृत करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) ने टीआईई, दिल्ली की सहभागिता में विनर अवार्ड (उद्यमी अनुसंधान में महिला) की शुरूआत की है। बाइरैक की यह पहल महिला विशिष्ट बायो-इनक्यूबेटरों के साथ सभी महिला स्टार्टअप्स को उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है। डीबीटी सचिव डॉ राजेश एस. गोखले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बायोटेक स्टार्टअप एक्स्पो-2022 की अध्यक्षता करने, और देश को 'आत्मनिर्भर' बनाने की चुनौती अपनाने के लिए युवा मस्तिष्क को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद दिया। डॉ गोखले ने केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह को उनकी सहायता और नेतृत्व के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि डीबीटी, इस गति को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए हर तरह के प्रयास को सुनिश्चित करेगा। बायोटेक स्टार्टअप एक्स्पो के दूसरे दिन प्रख्यात पैनलिस्टों और कारपोरेट हस्तियों की मौजूदगी में स्टार्टअप पिचिंग सत्र के साथ बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) बैठकें आयोजित की गईं। इस पिचिंग सत्र में विनिमार्ता, निवेशक, व्यवसायिक सलाहकार, एबीएलई, सीआईआई, फिक्की, एफएसआईआई, एआईएमईडी के औद्योगिक प्रतिनिधि, अकादमिक निदेशक व प्रोफेसर और व्यावसायिक सलाहकार (टीआईई) ने हिस्सा लिया।

बड़ मिठाथे झांझी मुठिया

मुठिया रोटी बनाय बर जरूवत के मुताबिक नून डार के नवा या जुन्ना चाऊंर के चिक्कन पिसान ल साने जाथे। सनाय पिसान ल गिल्ली जइसे बनाय जाथे। फेर येकर बाद आगी बरत चूल्हा म आधा कनौजी पानी रखे जाथे। फेर कनौजी म पेरा रखे जाथे। पेरा के उपर एक ठन साफ फरिया कनौजी के बारा म बांध के तोपे जाथे। कुनकुन होइस तहां ले कनौजी के पानी उफनाय ल धरिस अउ भाप बनई ले मुठिया रोटी ह चुरथे। आजकल लोगन ह मुठिया रोटी ल झांझी मुठिया घलो कहि देथें।

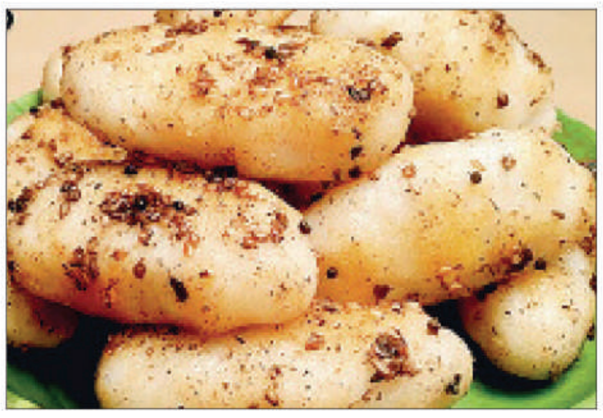

दू आखर के बड़ सुघ्घर नाव रोटी के शाब्दिक अर्थ होथय-भोजन। जेन ह दुनिया के जम्मों परानी के तीर रहैय्या जिनिस आय। वइसे हमर छत्तीसगढ़ म रोटी के मतलब खास

आकृति के बने भज्य पदार्थ ले होथे। रोटी के नाव लेते भार मन म किसम-किसम के रोटी के आकृति उभर के आथे। जइसे-अंगाकर रोटी, चीला रोटी, चउंसला, बरा, सुंहारी रोटी अउ ऐकर ले मुठिया रोटी ल अलग नी करे जा सकय। मुठिया रोटी ल मुठिया कस बनाय जाथे। येकरे सेती येला मुठिया रोटी कहे जाथे। ये मुठिया रोटी ल अमीर-गरीब सबो ह हर मउसम म रांध के खा सकत हें। मुठिया रोटी ल बनाए म सरल अउ सस्ता होथे।

बनाय के तरीका

मुठिया रोटी बनाय बर कोपरा, बटकी या कटोरा म पानी रखके अपन जरूवत के मुताबिक नून डार के नवा या जुन्ना चाऊंर के चिक्कन पिसान ल साने जाथे। न जादा टांठ, न जादा गिल्ला। सनाय पिसान ल गिल्ली जइसे बनाय जाथे। येकर संख्या ल इच्छा अनुसार पंदरा-बीस रखे जा सकत हे। फेर येकर बाद आगी बरत चूल्हा म आधा कनौजी पानी रखे जाथे। फेर कनौजी म पेरा रखे जाथे। पेरा के उपर एक ठन साफ फरिया कनौजी के बारा म बांधे जाथे। परई म कनौजी ल तोपे जाथे। कुनकुन होइस तहां ले कनौजी के पानी उफनाय ल धरिस अउ भाप बनई सुरु हो जथे। उही भाप म मुठिया रोटी ह उसनाथे याने चुरथे। बने ढंग ले उसनाय के बाद कनौजी ल उतार दे जाथे। आजकल लोगन ह मुठिया रोटी ल झांझी मुठिया घलो कहि देथें। आजकाल लोगन मन ह मुठिया रोटी ल दूसर ढंग ले घलो बनाथें। एमा कनौजी के जगा कढ़ई के उपयोग करे जाथे। कढ़ई म तेल दे के आगी बरत चूल्हा म कढ़ई ल मढ़ाय जाथे। जब तेल आथय आने महमहाय लागथे त मिरचा के फोरन डार के अपन इच्छा मुताबिक पानी डारे जाथे। पानी खदबद खदबद डबकन लागथे। रोटी ह पानी अउ भाप म उसनाथै। उसनाय के बाद कढ़ई सहित उतार दे जाथे, अउ बन जथे मुठिया रोटी जेनला तेल फरा रोटी घलो कहि देथें।

अनेक रहस्यों से भरा शाबर मंत्र

शबरों की प्रणाली को तांत्रिक इन्द्रभूति ने बौद्ध धर्म की वज्रयान शाखा का मूल आधार निर्धारित किया था, जिसके कारण वज्रयान का दूसरा नाम मंत्रयान पड़ा। इनमें से कई गूढ़ रहस्यों से भरे मंत्र को शाबर मंत्र कहा जाता है, जिसके भगवान महादेव उसके अधिष्ठाता माने गए हैं। ऐसा अनुमान होता है कि सांतवीं-आठवीं शताब्दी में इन्द्रभूति ने इन्हीं शाबर मंत्रों को प्रतिष्ठित किया था। यह शाबर मंत्र नागार्जुन के समय से ही छत्तीसगढ़ में प्रचलित थे।

गो स्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस में शाबर मंत्रों की चर्चा की है। छत्तीसगढ़ के प्राचीन निवासियों का 'शबर' नाम से अनेक प्राचीन ग्रंथों में स्मरण हुआ है। छत्तीसगढ़ की चित्रोत्पला गंगा, महानदी और शिव स्वरूप शिवनाथ का संगम जहां पर हुआ है उसे शबरी नारायण क्षेत्र के रूप में एक बड़े तीर्थ का महत्व मिला हुआ है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीराम को भीलनी शबरी ने बेर खिलाए थे। महान तांत्रिक ऋषि मतंग का आश्रम यहीं था। ऋषिवर ने तंत्रों की सहायता से अनेक चमत्कारिक अविष्कार किए थे। भगवान जगन्नाथ की मूर्ति का विधान भी यहीं किया गया था। तांत्रिक इन्द्रभूति यहां से मूर्ति को अपनी राजधानी संबलपुर से समलाई पहाड़ी की एक गुफा में ले गए थे, जहां उनके सम्मुख वे अपनी तंत्र साधना करते थे। यहीं पर महा महोपाध्याय डा. गोपीनाथ कविराज को संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश और शबरों की भाषा में कुछ मंत्रों की प्राप्ति हुई थी। शबरों की इस मंत्र प्रणाली को तांत्रिक इन्द्रभूति ने बौद्ध धर्म की वज्रयान शाखा का मूल आधार निर्धारित किया था, जिसके कारण वज्रयान का दूसरा नाम मंत्रयान पड़ा।

शाबर मंत्र

इनमें से कई गूढ़ रहस्यों से भरे उपरोक्त मंत्र को 'शाबर मंत्र' कहा जाता है और भगवान महादेव उसके अधिष्ठाता माने गए हैं। ऐसा अनुमान होता है कि सांतवीं-आठवीं शताब्दी में इन्द्रभूति ने इन्हीं शाबर मंत्रों को प्रतिष्ठित किया था। यह शाबर मंत्र नागार्जुन के समय से ही छत्तीसगढ़ में प्रचलित थे। अनेक ग्रंथों में इसका उल्लेख मिलता है। इन्द्रभूति की बहन सहजयानी सिद्ध लक्ष्मीकरा ने इन मंत्रों की सहज साधना पद्धति विकसित की थी और इन्हें बौद्धों के सहज यान में सम्मिलित भी किया था। बाद में लक्ष्मीकरा का विवाह लंका के राजकुमार से हुआ था। इस प्रकार से छत्तीसगढ़ का यह मंत्र-तंत्र तिब्बत से लेकर लंका तक विस्तृत क्षेत्र में फैल गया था।

ऐतिहासिक तथ्य के अधार म पता चलथे कि बस्तर रियासत म मराठा शासक मन के अधिकार (1777-1853) तक रिहिस हे। वो मन बस्तर के शासक मन ले टेक्स वसूली करत रिहिन हे। इही बीच कुछ मराठा सैनिक मन मराठी संग अल्वी बोली के जानकार रिहिन हे। वइसे पूरा बस्तर अंचल म देखे जाए त कोंडागांव जिले बीच भाग में बोले जाने वाला हल्बी ल मानक 'हल्बी' बोली माने जाथे।

कोंडागांव म जादा प्रभावी हे हल्बी बोली

लोक साहित्य

व इसे हल्बी लोक भाषा ल हल्बा जनजाति के भाषा केहे गेहे, फेर येहा संभवतः सहज-सरल होय के सेती बस्तर अंचल के कतको अउ जनजाति मन बोले ल धर लेहें। हल्बी भाषा के उत्पत्ति कब ले होय हे येकर कोनो निश्चित प्रमाण नी मिल पाय हे। कुछ लोगन मन के मानना हे कि येहा लोक भाषा वारंगल ले राजा अन्नमदेव के संग आए हे, कुछ लोगन के मानना हे कि येहा महाराष्ट्र ले त कुछ लोगन मन ओड़िसा ले आय हे अइसे मानथें। महारष्ट्र के एक भू-भाग में विशेष रूप से बोले जाने वाला भाषा 'अल्वी' ल नागपुर के आसपास के माने जाथे। ऐ मेर ए देखे ल मिलिस कि हमन 'अल्वी' बोली ल समझत रेहेन त वोमन हमर हल्बी बोली ल समझत रिहिन। येकर ले समझ अइस कि दोनों बोली म काफी समानता हे। फेर महाराष्ट्र म हल्बा समाज के हल्बी बोली ल मान्यता नइ मिले हे, अउ ऐ बोली के बोलने वाला मन बुनकर पेशा ले जुड़े हवय।

कोंडागांव क्षेत्र के मानक बोली हल्बी

ऐतिहासिक तथ्य के अधार म पता चलथे कि बस्तर रियासत म मराठा शासक मन के अधिकार (1777-1853) तक रिहिस हे। वो मन बस्तर के शासक मन ले टेक्स वसूली करत रिहिन हे। इही बीच कुछ मराठा सैनिक मन मराठी संग अल्वी बोली के जानकार रिहिन हे। वइसे पूरा बस्तर अंचल म देखे जाए त कोंडागांव जिले बीच भाग में बोले जाने वाला हल्बी ल मानक 'हल्बी' बोली माने जाथे। येकर ले भी अनुमान लगाय जा सकत हे कि ये बोली ह महाराष्ट्र ले आय होही। जेन भी कारण होवय पेर हल्बी बोली अउ भाषा के बस्तर अंचल म काफी प्रभाव हावे।

गांव के किस्सा

रानी के किस्सा के सेती नाव परिस रानी परतेवा

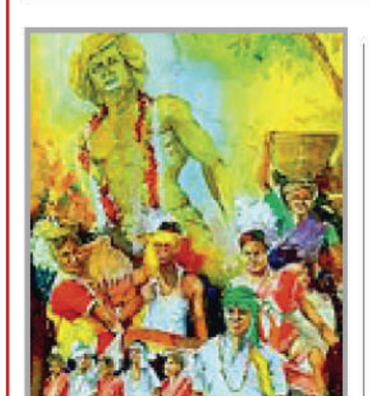

छ त्तीसगढ़ राज के गरियाबंद जिला के एक ठन गांव रानी परतेवा के रोचक इतिहास हावय। इहां सूखा नदिया के तीर म ए गांव ह हावय। ऐ गांव ह छुरा ले 15 किमी अउ फिंगेश्वर ले 20 किमी अउ राजधानी रायपुर ले 85 किमी दूरिहा म हावय। ऐ गांव ह 1962 में करचाली, द्वारतरा अउ बम्हनी ले अलग होके स्वतं6 पंचायत के रूप में पहचान बनइस। इही बेरा के आसपास कहे जाथे कि ऐ क्षेत्र म बिकट अकाल परिस। तब ले ऐ गांव म अकाल के ओतक जादा प्रभाव नी परिस।

नाव परे के कारण

पहिली ए गांव के मन तीर के गांव धमना म रहात रिहिन, ए जगा म अभी मरघट हावे। अभी खोदई करे के बेरा ए जगा म हडडी मिलथे जेकर ले ए बात ह सिरतोन साबित हो जथे। ऐ गांव के देवी-देवता म सिद्धेश्वर नाथ बाबा, कचना धुरवा अउ सेंधरी भवानी हावे। पूर्वज मन के कहना हावे के पहली राजा-महाराजा के जमाना म फिंगेश्वर रियासत म ए जगा मन आवत रिहिस हे। जब फिंगेश्वर रियासत के राजकुमारी के बिहाव छुरा रियासत के राजा ले होइस त रानी के चुरी पहिराय के रस्म म ए गांव ल छुरा रियासत म दे दिस।। तब ले ऐ गांव के नाव रानी परतिया होइस जेनहा अभी रानी परतेवा नाव ले जाने जाथे।

छुईखदान परत दर परत

कृति- छुईखदान परत दर परत
कृतिकार- वीरेन्द्र बहादुर सिंह
प्रकाशक- जय जगन्नाथ सेवा समिति छुईखदान-राजनांदगांव
समीक्षक- डी. पी. देशमुख
मूल्य- दो सौ पचास रूपए

प्रा चीन समय में अनेक रियासतें छत्तीसगढ़ में रहीं, इन रियासतों का अपना एक अलग महत्व रहा है। इन्हीं में से छत्तीसगढ़ के छुईखदान रियासत का भी शामिल है। यहां लेखक ने इसी रियासत से संबंधित अपने विषय-वस्तु में छुईखदान रियासत में स्वतंत्रता आंदोलन, किसान आंदोलन, गोलीकांड, विकास के सोपान, साहित्यिक यात्रा, राजैतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक परिदृश्य, म्युनिस्पल कमेटी से नगर पंचायत तक, संस्थाएं, छुईखदान का पान व छुईखदान में खेल को शामिल किया है। इन कालखंडों में आपने संपूर्ण छुईखदान को चित्रित करने का प्रयास किया है। पाठकों तथा इस क्षेत्र के जिज्ञासु लोगों के लिए यह पुस्तक उपयोगी साबित होगी।

बैगा समाज का नायक होता है मोकड़दम

गांव की समग्र व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन के लिए ग्राम प्रमुख की नियुक्ति की जाती है जिससे ग्राम में शांति व्यवस्था बनी रहे। इसी तरह बैगा समाज के जीवन के प्रायः हर पक्ष में सुचारू व्यवस्था के लिए राजा या नायक के रूप मोकड़दम नियुक्ति की जाती है, जो गांव के समस्त रीति-रिवाज का पालन कराने के साथ ही अपने अधीन अनेक दायित्वों का उचित निर्वहन जन हित में करता है।

गां व की समग्र व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन के लिए ग्राम प्रमुख की नियुक्ति की जाती है जिससे ग्राम में शांति व्यवस्था बनी रहे। हर ग्राम की अपनी एक अपनी व्यवस्था होती है जिसका पालन समस्त ग्रामीण करते हैं। इसी तरह बैगा समाज के जीवन के प्रायः हर पक्ष में सुचारू व्यवस्था के लिए राजा या नायक के रूप मोकड़दम नियुक्ति की जाती है, जो गांव के समस्त रीति-रिवाज का पालन कराने के साथ ही अपने अधीन अनेक दायित्वों का उचित निर्वहन जन हित में करता है।

मोकड़दम का कार्य

वर-वधू को मोकड़दम ही सबसे पहले हल्दी तिलक करता है और कन्या को राशि अथवा अनाज प्रदत्त करता है। विवाह कर लौटी बारात मोकड़दम के घर पर ही सबसे पहले ठहरती है। वह सभी को भोजन कराता है। उसी के यहां जनवासे में नाच-गाना होता है। स्त्री द्वारा दूसरा (उढ़रिया) विवाह करने पर पहले पति द्वारा किए जाने वाले दावा का निर्भय ही मोकड़दम ही करता है। बीज बोने के पहले आने वाले

बिदरी त्योहार में गांव का पूरा अनाज मोकड़दम के निवास परिसर में ही इक्टठा किया जाता है। वहीं युवक-युवती यदि अपने परिवारों की स्वीकृति या उन्हें सूचना दिए बिना जब विवाह हेतु निकलते हैं तो सबसे पहले मोकड़दम के यहां ही पहुंचते हैं। मोकड़दम पद की गरिमा व उस पर लोक विश्वास का परिचायक बैगा जनजाति में है। क्वांर सुदी दशमी को मनाए जाने वाला दशहरा त्योहार पर बैगा युवक-युवतियों के नृत्य दल जब दूसरे गांव में नर्तन हेतु रवाना होते हैं तो मोकड़दम ही इस दल को ध्वज प्रदत्त करता है। वहीं होली पर रात के अंतिम प्रहर में दीप प्रज्जवलित कर फागुन पूर्णिमा पर होलिका पैतृक नियुक्ति को शासन भी स्वीकृत करता है।

सुरता

अंचल के पहिली मंचीय कवयित्री रिहिन निरूपमा

छ त्तीसगढ़ के जम्मों मूर्धन्य साहित्यकार मन म निरुपमा दीदी के नाव घलो लिखागे। मैं हर ओला शुरू दिन ले ही दीदी शब्द ले ही संबोधन करेंव। आज वो नईए हमर बीच तभो ले ओखर नाव के आगू अपने अपन

मोर मुहु ले दीदी लग जाथे। पहली नजर म ही वो मोला अपन महतारी कस लागिस। मुड़ मा पल्लू डारे, ऊंकर म एक आदर्श आंचलिक नारी के झलक दिखत रिहिस। वोमन छत्तीसगढ़ के पहला मंचीय कवयित्री रिहिन। हमन छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति के माध्यम ले गोष्ठी के संग हर बछर के आयोजन म तन मन अउ धन ले शामिल होवत रेहेन। हमन संगे संग सब कोती साहित्यिक आयोजन म जावत रेहेन। आयोजन म बाहिर ले अवैय्या साहित्यकार मन के खाए पीए बर कईयों पईत जेवन घलो बनाएन। ममतामयी विदुषी महिला ले मिलके जाने अनजाने म मोर जइससे कतको परानी मन ल बहुत कुछ सीखे बर मिलिस। हमन बहुत अकन मंच कवि सम्मलेन के साझा करे हन।

साहित्यिक यात्रा

उंखर पहली छत्तीसगढ़ी कविता संग्रह ए 'पतरेंगी' फेर 'बूंदो का सागर' म उंखर हिन्दी कविता के संकलन है। रितु बरनन में सवैया छंद के प्रयोग करे हें। उंखर कविता मन म भक्ति, नीति परक नारी उदारता, श्रृंगार और लोक जीवन प्रेम परक के उदगार रिहिस। पीएचडी छत्तीसगढ़ के लोक गीत ददरिया ऊपर करे रिहिन। वो हर बहुत सुलझे हुए महिला होए के संगे संग अच्छा लेखिका घलो रिहिन। ओखर कविता-कहानी-निबंध बहुत महत्वपूर्ण हे। एक महिला संस्था घलो बनाए रिहिन, जेंमा शुरू म पांच झिन हमन शुरू के सदस्य रेहेन। ओखर एक भव्य आयोजन घलो होए रिहिस, फेर आगे चल के वो संस्था बंद होगे।

लड़कों की शिकायत

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

पिछले दिनों फेसबुक पोस्ट पर नजर पड़ी। यह हस्तलिखित शिकायती पत्र था। उत्तर प्रदेश के स्कूल सातवी में पढ़ने वाले लड़कों ने बहुत साफ-सुथरे हस्तलेख में लिखे पत्र में अपनी कक्षा की लड़कियों की शिकायत की थी। इसमें लिखा था कि कक्षा में लड़कियां उन्हें तरह-तरह से चिढ़ाती हैं। तंग करती हैं। जोर-जोर से गाने गाती हैं। शोर मचाती हैं। उन्हें डामर, मोटू तथा अन्य न जाने कितने नामों से पुकारती हैं। पत्र में तंग करने वाली लड़कियों के नाम भी लिखे थे। इस पत्र को पढ़कर पहले तो बहुत हंसी आई। फिर सोचने लगी कि आखिर सातवी में पढ़ने वाले ये लड़के बहुत ज्यादा परेशान हुए होंगे, तभी उन्होंने ऐसा किया होगा। तमाम तरह की बातें सोची होंगी कि अगर वे लड़कियों की यह शिकायत करेंगे कि वे उन्हें तंग करती हैं, तो उनकी कितनी हंसी उड़ेगी। उनका तो लोग रास्ता चलना दूभर कर देंगे। हो सकता है कि ये भी कहने लगें कि तुम से अच्छी तो लड़कियां हैं, जो उनसे डरकर तुम उनकी शिकायत करते फिर रहे हो। समाज चाहे कितना भी खुद को बदलने की घोषणाएं करता हो, लेकिन अब भी माना यही जाता है, लड़कों के आंसू नहीं आने चाहिए। उन्हें लड़कियों से तो हर्गिज नहीं डरना चाहिए।

फिर यह भी लगा कि क्या वाकई लड़कियां इतनी आगे बढ़ गई हैं कि अब यह नौबत आ गई कि लड़कों को उनकी शिकायत करनी पड़ रही है। अब तक तो यही सुनते जानते आए थे कि लड़के कक्षाओं में लड़कियों को तंग करते हैं, वे उन्हें आते-जाते छेड़ते हैं। फिब्तयां कसते हैं। उन्हें तरह-तरह के नामों से पुकारते हैं। इसी कारण बहुत-सी लड़कियां स्कूल जाना छोड़ देती हैं। लेकिन अब लड़कियां ऐसा कर रही हैं, आखिर क्यों। जिस छेड़खानी से वे हमेशा परेशान रही हैं, उनके जीवन की राहें रुकती रही हैं, वे उसे क्यों अपना रही हैं। या वे बातें ही सच हैं कि जो लोग हमें परेशान करते हैं, हमें जीने नहीं देते, उनकी ताकत से हम इतने आक्रांत रहते हैं कि उनकी ही नकल करने लगते हैं। वैसे ही बन जाना चाहते हैं। हालांकि यह भी सच है कि साथ पढ़ने वाले बच्चे एक-दूसरे के साथ खेलते-कूदते हैं। हंसी-मजाक भी चलता है। हो सकता है, इन बच्चों ने भी ऐसा किया हो।

एक बात यह भी है कि बच्चों से लेकर बूढ़े तक रात-दिन टीवी देखते हैं। बहुत से सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहते हैं। बहुत से कार्यक्रम, फिल्में समाचार, धारावाहिक लड़कियों को यही तो सिखाते हैं कि तुम क्या लड़कों से कोई कम हो। तुम तो वही कर सकती हो, जो लड़के करते हैं। इन बातों में लड़कियों को लड़कों की तरह आगे बढ़ने, पढ़ने, लिखने, आत्मनिर्भर बनने, अपने प्रति हुए अन्याय का प्रतिकार करना सिखाया जाता है। लेकिन देखने वाले सिर्फ वही नहीं सीखते, जो आप उन्हें सिखाना चाहते हैं। जैसे कि हिंसा का प्रतिकार जरूरी है तो इन दिनों आप पाते हैं कि रास्ता चलते, मेट्रो में, बस, ट्रेन किसी भी जगह जरा सी बात पर लड़कियां वे ही अश्लील गालियां देने लगती हैं, जिनमें उनका हर तरह से अपमान छिपा होता है। वे भी उसी तरह से मारपीट पर उतर आती हैं जैसे कि लड़के। आपको हिसार की वे दो बहनें तो याद ही होंगी, जो बिना किसी बात के लड़कों के साथ मारपीट करती थी और उनके वीडियो बनवाकर वायरल करवाती थी। देखा गया है कि बहुत से लड़कों की तरह बहुत सी लड़कियां भी उसी तरह के नशेखोरी की लत को आदर्श मानने लगती हैं। जबकि नशा, मारपीट, हिंसा यदि लड़कों के लिए बुरी है, उनकी आलोचना कराती है तो वह लड़कियों के लिए कैसे अच्छी हो सकती है। लेकिन रोल रिवर्सल के चक्कर में अकसर अच्छी बातों को भुलाकर, बुरी बातों को अपना लिया जाता है, क्योंकि बुरी बातें क्षण भर का शोरशराबा, गालीगलौज बहुत आकर्षित करती है। ■

गंदा नहीं धंधा

खरी खरी

■ मनीषा

कोरोना के दौरान सेक्स वर्कर्स को आई परेशानियों को लेकर दायर याचिका की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने वेश्यावृत्ति को प्रोफेशन बताया। साथ ही सभी राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों की पुलिस को आदेश दिया कि उन्हें वेश्याओं के काम में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। अदालत ने कहा, बालिग व सहमति से सेक्स करने वाली औरतों पर पुलिस को आपराधिक कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। देश की सबसे बड़ी अदालत द्वारा देह व्यापार को पेशा बताना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। ढेरों औरतें जो किन्हीं कारणों से देह बेच कर पैसा कम रही हैं, उनके लिए यह सुकून भरी खबर है। देह का धंधा करने वाली औरतों के प्रति समूचे समाज का नजरिया हमेशा तिरस्कार भरा रहा है। सरकार/प्रशासन और व्यवस्था उनके साथ घृणा भरा बर्ताव करते रहे हैं। महामारी के दरम्यान यूं तो दुनिया भर में सभी तरह के काम धंधे ठप्प हो गये थे। आमदनी

के साधनों पर रुकावटें आ गयी थीं। उस पर देह व्यापार करने वाली तमाम औरतों के आगे भुखमरी की स्थिति की खबरें दुनिया भर से गाहे-बगाहे आईं। सच्चाई है कि वेश्यावृत्ति पर पूरी तरह रोक लगा पाना असंभव है। कीमत चुका कर सेक्स करने वाले पुरुषों से दुनिया भरी पड़ी है। अमूमन औरतें इस धंधे में जबरन लाई जाती हैं। कुछ के परिवार, तो कुछ के करीबी/रिश्तेदार उन्हें जानबूझकर इस धंधे में ढकेल देते हैं। वेश्यावृत्ति में खरीदी हुई लड़कियां भी हैं। उनका भयानक शोषण होता है और उचित कीमत भी नहीं मिलती। हमारी सरकारें इस संवेदनशील मुद्दे पर मौन रह कर ही काम चलाती हैं। अव्वल तो यह मसला सिर्फ औरतों का है। पुरुष इसमें यौन सुख लेता है और दलाली भी। लड़कियों की खरीद-बेंच का ज्यादातर काम पुरुष करते हैं। यह असंगठित धंधा है। इसे नियमों के साथ चलाने में किसी की कोई दिलचस्पी नहीं है। पुरुषों की कामुकता/उन्माद को झेलने वाली स्त्री यहां भी दोषी ठहराई जाती है। उसका हर तरह का शोषण होता है। सामाजिक हैसियत की तो बात ही नहीं उठती।

अदालत ने कहा, वेश्यावृत्ति पेशा है। कोई सेक्स वर्कर वयस्क है, अपनी मर्जी से काम कर रही है तो पुलिस उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं कर सकती। कोर्ट ने मीडिया से भी कहा, कि उनकी पहचान सार्वजनिक ना की जाए।

देश की सबसे बड़ी अदालत की इस बेंच ने कहा, अपनी मर्जी से प्रास्टीटच्यूड या वेश्या बनना अवैध नहीं है, सिर्फ वेश्यालय चलाना गैरकानूनी है। उन्होंने माना कि वे भी कानून के तहत गरिमा व समान सुरक्षा की हकदार हैं। बेंच ने कहा, हर नागरिक को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार है। अगर पुलिस को किसी कारण उनके यहां छापेमारी करनी पड़ती है तो सेक्स वर्कर्स को गिरफ्तार या परेशान ना किया जाए। स्त्री सेक्स का धंधा करती है, सिर्फ इसलिए उसके बच्चे को मां से अलग नहीं किया जा सकता। अगर बच्चा देह व्यापार करने वाली के साथ रहता है या सेक्स वर्कर के साथ कोई अपराध होता है तो उसे तुरंत वे सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं, जो यौन पीड़ित किसी भी औरत को मिलती हैं। पुलिस अकसर देह व्यापार करने वालियों के प्रति क्रूर रवैया अपनाती है। पुलिस व एजंसियों को भी उनके अधिकारों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। देह का धंधा करने वालियों से पुलिस को सम्मान के साथ बर्ताव करना चाहिए। उनके साथ मौखिक व दैहिक तौर पर बुरा व्यवहार नहीं करना चाहिए। कोई भी सेक्स वर्कर को यौन गतिविधि के लिए मजबूर नहीं कर सकता। अदालत ने कहा, वेश्यावृत्ति पेशा है। कोई सेक्स वर्कर वयस्क है, अपनी मर्जी से काम कर रही है, तो पुलिस उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं कर सकती। कोर्ट ने मीडिया से भी कहा, कि उनकी पहचान सार्वजनिक ना की जाए। ना नाम, ना ही दोषी के तौर पर उनकी पहचान बताई जाए। उनके फोटो व वीडियो भी सार्वजनिक ना किये जाएं।

देश में मुंबई व कोलकाता में देह व्यापार का धंधा बहुत फैला है। अकेले मुंबई में एक लाख से ज्यादा औरतें वेश्यावृत्ति कर रही हैं। सोनागाछी (कोलकाता), मैजिस्टिक (बंगलूरु), रेशमपुरा (ग्वालियर), कमाठीपुरा (मुंबई), जीबी रोड (दिल्ली) में हजारों की तादाद में वेश्याएं रहती हैं। नक्कासाबाजार (सहारनपुर), चतुरभुज स्थान (मुजफ्फरपुर), मरुआडीह (वाराणसी) मीरगंज (इलाहाबाद), कलीगंज (आजमगढ़), कबाड़ीबाजार (मेरठ), मूलगंज(कानपुर) जैसी जगहों को इस काम के लिए खूब जाना जाता है। अपने यहां (1997 में) अंदाजन 20लाख औरतें इस धंधे में थीं। जिनकी संख्या सालों साल तेजी से बढ़ने की आशंका है। 2012 के आंकड़े बताते हैं, दुनिया भर में 40 से 42 मिलियन औरतें इस धंधे मे लिप्त थी। कम से कम औरतों के बारे में उनकी शुचिता के विषय में हम बेहद संकीर्ण रहे हैं हमेशा। आज भी स्त्री शुचिता को लेकर तमाम तरह की बंदिशों का सामना करती है वह। मजबूरी में देह बेच कर पेट पालने वाली औरतों को समाज के हाशिए पर ढकेल कर शीलता का ढोंग करने वालों को यह हजम नहीं होगा। दूसरे, इन औरतों की कमाई में भांजी मारने वाले गिद्धों से इन्हें बचाना भी टेढ़ी खीर है। ये मजबूर हैं। अमूमन अपढ या अल्पशिक्षित भी। यहां मैं कॉल गर्ल या स्वेच्छा से सेक्स बेचने वाली की बात नहीं कर रही। देह व्यापार बहुत पुराने वक्त से होता आ रहा है, फर्क यही है कि इसके लिए हमेशा स्त्री पर दोष मढ़ा जाता रहा है। तमाम फिल्मों और साहित्य में इन औरतों के पक्ष में जो कुछ रचा गया, उसमें असल पीड़ा, गन्द और तौहीन कहीं नहीं झलकी। उनमें हमेशा प्रेम, मोहब्बत और दीवानगी की चाशनी लगा कर फैंटेसी बेची गयी। जो इनके दर्द और दिल दहलाऊ जीवन को उजागर करती। दरअसल, सेक्स क्रांति अलग है और यौन व्यापार अलग। यह यौन दासता, देह की बिक्री और सेक्स के बदले पैसा कमाने तक ही सीमित नहीं है। मजे या सुख के लिए स्वेच्छा से सेक्स करना और देह का व्यापार करना दो भिन्न चीजें हैं। ये औरतें सेक्स क्रांति नहीं कर रहीं। इन्हें बंधुआ मजदूरी से भी कमजोर मानिए। जिनकी कोई सामाजिक हैसियत नहीं रह जाती। ये पुरुषों की इस व्यवस्था का सबसे गलीच नतीजा है। जिन्हें उचित मुकाम दिये जाने की जरूरत है। सिर्फ सतही सुधारों से काम नहीं चलेगा। बिगाड़ को रोकें। देह के धंधे में जबरन ढकेले जाने वाले मार्गों को तबाह करें। यह धंधा है तो धंधा ही रहे। गंदा ना बनाया जाए। ■

जोड़ों में चोट वाले बॉडी बिल्डर्स के लिए जीवनरेखा

अनेक डू-इट-योर सेल्फ बॉडी बिल्डर और फिटनेस प्रेमी, जो प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर या सुपरविजन न होने के कारण घुटने की गद्दी फटने या सॉफ्ट टिश्यू इंजरी के शिकार हो जाते हैं, वो अब पीड़ा और अस्पताल में कम समय बिताकर अपनी सामर्थ्य फिर से प्राप्त कर सकते हैं। चोटिल हुए फिटनेस प्रेमियों को अल्प अवधि में दर्द और पीड़ा से आराम देने के लिए अमेरिका में विकसित मोनो न्यूक्लियर सैल थेरेपी (एमएनसी) नामक रिजनरेटिव सर्जरी अब भारत में भी उपलब्ध हो गई है।

यह प्रोप्रायटरी एमएनसी तकनीक मरीजों को क्षतिग्रस्त मुलायम टिश्यू, जैसे घुटने की गद्दी फटने, लिगामेंट टूटने और कार्टिलेज का इलाज करने में मदद करती है, जिससे उनके कंधे व घुटने बिना किसी एंथ्रोस्कोपिक सर्जरी के ठीक हो जाते हैं। डॉ. मधुर चड्ढा, हेड, रिजनरेटिव मेडिसीन, एक्सिक क्लिनिक ने कहा, 10 में से आठ मरीज ज्वाईंट एंथ्रोस्कोपिक सर्जरी की जगह एमएनसी करा सकते हैं।

भारत में जिम में चोटिल हुए मरीज एमएनसी इलाज के बाद केवल 12 हफ्तों में ही अपना वर्कआउट फिर से शुरू कर सकते हैं। जिम से जुड़ी चार लाख चोटों पर यूके में किए अध्ययन में आया कि गहन वर्कआउट के दौरान पांच में से दो जिम यूजर्स अपने जोड़ों व टिश्यू में चोट का शिकार होते हैं।

नए युग की एमएनसी तकनीक का यूएसपी यह है कि यह कम से कम समय तक अस्पताल में रोककर की जा सकती है और मरीज ओपीडी मोड में भी इलाज करा सकते हैं।

अमेरिकन बास्केट बॉल स्टार कोबे ब्रायंट, जिनकी चोट ने उनका करियर लगभग समाप्त कर दिया था, उनकी तरह ही, भारत में जिम में चोटिल हुए मरीज एमएनसी इलाज के बाद केवल 12 हफ्तों में ही अपना वर्कआउट फिर से शुरू कर सकते हैं। जिम से जुड़ी चार लाख चोटों पर यूके में किए अध्ययन में आया कि गहन वर्कआउट के दौरान पांच में से दो जिम यूजर्स अपने जोड़ों व टिश्यू में चोट का शिकार होते हैं। इन चार लाख मामलों में से, लगभग 30 प्रतिशत चोटें घुटनों से जुड़ी और लगभग 12 प्रतिशत चोटें कमर से जुड़ी थी।

एक्सिस क्लिनिक में इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट एक्सपर्ट, डॉ. सौरभ गर्ग ने बताया, जिम में फिट रहने का सबसे अच्छा तरीका है कि ट्रेनर के सुझाव व सावधानी के साथ वर्कआउट किया जाए। लेकिन जिम में चोट लगने पर किसी विशेषज्ञ का परामर्श लिया जाए और ज्वाईंट ऑर्थोस्कोपिक सर्जरी की ओर भागने की बजाय रिजनरेटिव एमएनसी के विकल्प पर भी विचार किया जाए।

डॉ. गर्ग ने बताया, सर्जरी में काफी समय लगता है और पीड़ा होती है, जबकि एमएनसी में पीड़ा की संभावना बहुत कम होती है। एमएनसी में मरीज के शरीर से निकाली गई सैल्स द्वारा टिश्यू व ज्वाईंट्स का इलाज किया जाता है अमेरिका में मरीज को ज्वाईंट ऑथ्रोस्कोपिक सर्जरी कराने से पहले रिजनरेटिव हीलिंग का विकल्प दिया जाना अनिवार्य कर दिया गया है। परंपरिक ज्वाईंट ऑथ्रोस्कोपिक सर्जरी की तुलना में यह सस्ती होने के कारण एमएनसी तकनीक की ओर झुकाव बढ़ जाता है।

■ विमला

गर्मियों के दुष्प्रभाव और बीमारियां

आम हो या खास हर शख्स तपिश भरी गर्मी से दो चार हो रहा है। इस मुद्दे पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में नेशनल अर्बन हेल्थ मिशन एवं ट्रेनिंग के कमीशनर डा. सुशील कुमार विमल ने गर्मियों के दुष्प्रभाव और होने वाली बीमारियों के बारे में एहतियाती सुझाव दिए-

समस्या- हीट स्ट्रोक की समस्या तब होती है, जब लंबे समय तक बिना कोई एतिहात बरते तेज धूप में रहते हैं। गर्मियो में लू लगना बहुत आम है। अगर शरीर का तापमान सामान्य तौर पर 38 डिग्री सेल्सियस या 98.5 फ्रेनाइट होता है लेकिन आमतौर पर ऐसा देखा गया है, मौसम का तापमान ज्यादा होता और आर्द्रता कम होती है। इस तरह के मौसम में ज्यादा समय तक बाहर धूप में कार्य करने से परहेज करना चाहिए। यह लू लगने का लक्षण के रूप में देखा जाता है। इसका तुरंत इलाज जरूरी है वरना यह मांसपेशियों के साथ दिल और दिमाग को भी नुकसान पहुंचा सकता है। स्थिति गंभीर होने पर जान जाने का भी खतरा रहता है। ऐसा भी देखा गया है कि अधिक गर्म जगह पर लंबे समय तक रहना, लू लगने या हीट स्ट्रोक का कारण बन सकता है। अगर कोई ठंडे मौसम से अचानक से गर्म जगह पर जाता है ता भी हीट स्ट्रोक की संभावनाएं बढ़ जाती है। विभिन्न सरकारी, निजी अस्पतालों में ऐसे लक्षण वाले मरीजों का दबाव बढ़ रहा है। यही नहीं गर्म मौसम में अधिक एक्सरसाइज करना भी हीट स्ट्रोक का मुख्य कारण हो सकता है।

जितना लिक्विड्स का सेवन करेंगे उतना ही सेहत के लिए अच्छा रहेगा। पानी के अलावा दही व छाछ पीते रहने से लू लगने की आशंका कम रहती है।

हो जाएं एलर्ट- सिरदर्द होना, चक्कर आना, मुंह सूखना, आंखों में जलन, त्वचा का खुश्क हो जाना, ज्यादा पसीना आना, मांसपेशियों में ऐंठन व कमजोरी, उल्टी आना, दस्त, ब्लड प्रेशर बढ़ना, बेहोशी आना, व्यवहार में बदलाव आना या चिड़चिड़पान।

लू से बचाव के उपाय

- गर्मियां में चने का सत्तू पीना सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। ये बॉडी को हाइड्रेट रखने के साथ पेट भी भरा रखता है।
- प्याज का सेवन करें। इसे खाने से बॉडी का टेम्प्रेचर नॉर्मल रहता है। साथ ही लू लगने का खतरा भी कम रहता है।
- नॉर्मल पानी में चीनी और नमक मिलाकर उसे तब तक मिक्स करें जब तक कि दोनों अच्छी तरह से पानी में घुल न जाएं। यह शरीर में पानी की कमी होने पर पिया जाता है। उल्टी और दस्त की समस्या में भी आराम दिलाता है। तरबूज, नींबू पानी, नारियल पानी, लीची, कीवी, खरबूजा, अंगूर, संतरे और खीरे का सेवन करते रहें। कच्चे आम का पना गर्मियों में लू से बचाव के लिए कारगर ड्रिंक है।

■ ज्ञानप्रकाश

■ अनिता घोष

दही परवल

सामग्री- 6 परवल, 2 आलू उबला मैश किया हुआ, 2 प्याज बारीक कटे हुए, 2 बड़े चम्मच दही, 2 चम्मच बेसन, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच चाट मसाला, स्वादानुसार नमक, तलने के लिए तेल

विधि- परवल के ऊपर का हिस्सा काटकर बीज निकाल दें। अब पैन में थोड़ा तेल गरम करें। इसमें प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। चाट मसाला, नमक, लाल मिर्च पाउडर डालकर थोड़ा देर तक चलाएं अब इसमें मैश किया हुआ आलू, दही, और बेसन मिक्स करें। थोड़ी देर तक भूनें। अब गैस बंद कर दें। तैयार किया हुआ मिश्रण परवल में भर दें। अब दोबारा पैन में तेल डालें। तेल गरम हो जाने के बाद उसमें परवल रख कर ढंक दें। थोड़ी देर में ढक्कन हटाकर परवल को पलट दें। जब परवल मुलायम हो जाए, तो आंच बंद कर दें। रोटी या चावल के साथ खाएं।

मटन कोरमा

सामग्री- 500 ग्राम मटन, 4 बारीक कटे प्याज, एक बड़ा चम्मच अदरक लहसुन पेस्ट, एक चम्मच हल्दी पाउडर, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच चीनी, एक चम्मच साबूत जीरा, 3-4 तेजपत्ता, 5-6 लौंग, दो चम्मच दही, कस्तूरी मेथी एक चुटकी, एक चम्मच साबूत धनिया, 3-4 हरी इलायची, एक छोटा चम्मच जायफल पाउडर,1 बड़ी इलायची, तेल जरूरत के अनुसार, नमक स्वादानुसार।

विधि- मटन कोरमा बनाने के लिए सबसे पहले सभी मसालों को मिक्सी में दरदरा पीस लें। अब मीडियम आंच पर कढ़ाही में तेल गरम करने के लिए रखें। तेल गरम होते ही साबूत जीरा और तेजपत्ता का तड़का लगाएं। जीरे के चटकते ही उसमें प्याज और चीनी डालकर भूनें। प्याज में सूनहरे रंग आते ही उसमें अदरक लहसुन का पेस्ट डाल कर 4-5 मिनट तक भूनें। हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, कस्तूरी मेथी, पिसा मसाला, दही, नमक और मटन डालकर थोड़े देर तक पकाएं। मटन के साथ सभी मसालें अच्छे से भुन जाने के बाद अब कढ़ाही से कूकर में डालकर 3-4 सीटी लगाएं। आंच बंद कर दें। तैयार हो गया मटन कोरमा। प्याज के लच्छों से गर्निश कर रोटी या पराठे के साथ परोसें।

स्टीम पनीर मोमो

सामग्री- 200 ग्राम मैदा, 100 ग्राम पनीर कद्दूकस किया हुआ, दो प्याज बारीक कटा हुआ, आधा चम्मच बेकिंग पाउडर, काली मिर्च पाउडर एक चुटकी, लहसुन एक चम्मच बारीक कटा हुआ, सोया सॉस एक चम्मच, विनिगर आधा चम्मच, तेल आवश्यकतानुसार, नमक स्वादानुसार।

विधि -मैदा, नमक, और बेकिंग पाउडर को एक साथ मिक्स करें। फिर पानी डाल कर मुलायम गूंथ लें। अब मीडियम आंच पर फ्राई पैन बैठाएं। पैन गरम होने पर दो चम्मच तेल डाले। तेल गरम होने पर प्याज और लहसुन डाल कर भून लें। सुनहरा होने तक भूनें। अब इसमें कद्दूकस पनीर और नमक डाल दें। अच्छी तरह मिश्रण को भूनें फिर आंच से उतार कर सोया सॉस, और विनिगर मिलाएं। मिश्रण को एक प्लेट में निकाल कर अलग रखें। गूंथे मैदे को बराबर आकार में छोटे-छोटे लोई बना लें। लोई को पतला बेल लें। लोई के बीचोबीच एक-एक चम्मच मिश्रण रखें। किनारों को जोड़ें। इसी तरह सभी लोई को बेल कर फीलिंग करके मोमो के आकार दें। अब सारे मोमो को 10 मिनट स्टीम में पकाएं। ठंडा होने के लिए छोड़ दें। स्टीम मोमो टोमेटो सॉस के साथ सर्व करें।

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(१५-२१ जून)

मेष (21मार्च-20अप्रैल)- कोई शानदार खबर मिल सकती है, जिसका लम्बे समय से इंतजार कर रहे थे। यह हफ्ता जिंदगी को कोई नई दिशा दे सकता है। अब तक रुकी हुई लग रही जिंदगी तेजी से चल पड़ेगी। पूरे साल के विजन बोर्ड बनाना बहुत अच्छा रहेगा। यह लक्ष्य पूरा करने में बेहद कारगर साबित होगा। बीमार के सेहत में सुधार मिलेगा। आर्थिक निवेश के लिए समय अच्छा है।

वृषभ (21अप्रैल -21मई)- यह सप्ताह कोई बड़ी सीख दे सकता है, इसलिए नकारात्मक विचारों से दूर रहकर आगे बढ़ें। करियर में सकारात्मक बदलाव कुछ कठिनाइयों से गुजरने के बाद ही दिखेगा। इसीलिए जो भी कठिनाइयां आ रही हैं, उनका डटकर सामना करें। परिवार को गुस्से पर काबू रखने की अत्यंत आवश्यकता होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन (22मई-21जून)- कार्यक्षेत्र में चुनौतियां होंगी क्योंकि काम का दबाव बना रहेगा। काम में आपको मन मुताबिक सहयोग नहीं मिल पाएगा। अवांछनीय यात्राओं से हानि और परेशानी हो सकती है। खान पान और सेहत के प्रति लापरवाही ना करें। वैवाहिक जीवन में मनमुटाव की सम्भावना है। विद्यार्थी बहुत मेहनत करने की जरुरत है। साझेदारी से सावधान रहें और किसी पर भरोसा ना करें।

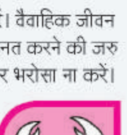

कर्क (22जून-22जुलाई)- करियर में सीखने वाला दौर होगा। मेहनत और लगन काम में लगाएं, जो बेहतर परिणाम लाएगा। प्रतिबद्धता उपलब्धि की गुणवत्ता तय करेगा। वित्तीय स्थिति अच्छी रहेगी। श्रमसाध्य काम के लिए पदोन्नति या वेतन वृद्धि मिल सकती है। विवाह का योग बन रहा है।

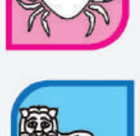

सिंह (23जुलाई-21अगस्त)- भावनात्मक जीवन में स्थायित्व और स्थिरता पाएंगे। ध्यान कर और भावनाओं को लिखने और धीरे धीरे काम करें। करियर के नए अवसरों के लिए आंखें खुली रखें, संभावनाओं के लिए दिमाग खुला रहे। समर्थन जल्दी ही आएगा। पिछले निवेश से वित्तीय लाभ की अपेक्षा कर सकते हैं। सेहत में सुधार होगा।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- जीवन सम्बंधित कोई बड़ी सीख दे सकता है, इसीलिए नकारात्मक विचारों से दूर रहकर परिस्थिति जो सीखा रही है, उस सीख को लेकर आगे बढ़ें। करियर में सकारात्मक बदलाव कुछ कठिनाइयों से गुजरने के बाद ही दिखेगा। काम से सम्बंधित जो भी कठिनाइयां आ रही हैं, उनका डटकर सामना करें। गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

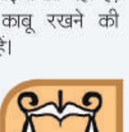

तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)- प्रियजनों के साथ भावनाओं को साझा करें, यदि परिवार के बीच गलतफहमी हो रही है तो दूर करने का प्रयास करें। कार्यो और विचारों को सकारात्मक रखें और करियर को लेकर असमंजस्य में ना रहें। कोर्ट कचहरी से जुड़े मामलों में सफलता मिलने का योग है। घर अथवा वाहन खरीदने का योग बन रहा है। कोई भी निर्णय लेने से पहले गहन विचार करें।

वृश्चिक (24अक्टू-22नव)- ईगो छोड़कर परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठने की सख्त आवश्यकता रहेगी। करियर/कारोबार में प्रगति या विशेष पद की प्राप्ति के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता को बनाए रखने के लिए जीवनसाथी की भावनाओं की अनदेखी से बचें। सेहत के प्रति लापरवाही ना बरतें। ध्यान और योग करें। वाणी पर संयम रखें। धार्मिक कार्यो में रूचि बढ़ेगी।

धनु (23नव-22दिस)- अवसरवाद के लिए समय अच्छा होगा, क्योंकि व्यवसायिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कई मौके मिलेंगे। संभावनाओं को फलदाई नतीजों में बदलने के लिए उत्साह से भरे होंगे। आय बढ़ाने के लिए की गई कोई भी पहल बड़ी सफलता होगी। जीवनसाथी के साथ यात्रा की योजना बन सकती है। परिवार के विस्तार की योजना बना सकते हैं।

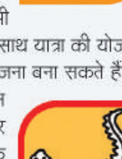

मकर (23दिस-20जन)- भावनात्मक जीवन में स्थायित्व और स्थिरता पाएंगे। ध्यान कर और भावनाओं को लिखे धीरे धीरे इसके माध्यम से काम करें। करियर के नए अवसरों के लिए आंखें खुली रखें और संभावनाओं के लिए दिमाग खुला रहे। समर्थन जल्दी ही आपके पास आएगा। पिछले निवेश से वित्तीय लाभ की अपेक्षा कर सकते हैं। सेहत में सुधार होगा।

कुम्भ (21जन-19फर)- नकारात्मक विचारों को खत्म करें और रचनात्मक सोच लाएं। जीवन को दृष्टिकोण बदलने की जरु रत हैं। मित्रों एवं परिवार के साथ समय व्यतीत करें, जिससे रिश्तों में मधुरता बानी रहे। वित्तीय मामलों में सतर्कता बरतें। यदि नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो इस्तीफा देने से पूर्व अच्छे से सोच विचार कर लें।

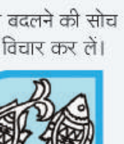

मीन (29फरवरी -20मार्च)- कुछ वक्त लगेगा व्यवसाय हो या नौकरी दोनों में उन्नति के द्वार खुलेंगे। आर्थिक निवेश करने के पूर्व अच्छे से जानकारी ले लें अन्यथा हानि उठनी पड़ सकती है। ऐसा कोई काम न करें, जिसमे जोखिम हो अन्यथा परेशानी बढ़ सकती है। पारिवारिक जीवन में मतभेद की सम्भावना है, समझदारी से काम लें। वैवाहिक जीवन में कटुता आ सकती है। धार्मिक कार्यो में मन लगाएं। ■

संक्षिप्त खबरें

सिकोइया ने पूंजी जुटाई

नई दिल्ली। उद्यम पूंजी फर्म सिकोइया इंडिया और सिकोइया साउथईस्ट एशिया ने एक बयान में कहा कि उसने स्टार्टअप और अन्य उपक्रमों के वित्त पोषण के लिए 2.85 अरब अमेरिकी डालर जुटाए हैं। इस क्षेत्र में किसी भी उद्यम पूंजी फंड द्वारा एक किश्त में जुटाई गई यह सबसे बड़ी राशि है। इसमें से दो अरब डालर की राशि दो फंडों के जरिए भारत के लिए जुटाई गई है, जबकि शेष 85 करोड़ डालर दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए हैं। सिकोइया ने एक बयान में कहा, 'सिकोइया इंडिया और सिकोइया साउथईस्ट एशिया ने मिलकर नए फंडों के जरिए 2.85 अरब डॉलर जुटाए हैं।

वेदास का नया उत्पाद

नई दिल्ली। आयुर्वेदिक हेल्थकेयर कंपनी वेदास क्योर ने अपने नए उत्पाद, हेमो-ग्लेनेमिया केयर को पेश किया, यह रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा को उचित स्तर तक बढ़ाने और रक्त एनीमिया के इलाज के लिए डिज़ाइन किया गया है। खून की कमी एक गंभीर स्थिति है। खून की कमी से कई गंभीर परिणाम सामने आते हैं। एनीमिया के शुरुआती लक्षणों में थकान, सिरदर्द, शरीर की कमजोरी, सुस्त या पीली त्वचा, अनियमित दिल की धड़कन, सांस की तकलीफ, सीने में दर्द, ठंडे हाथ-पैर का होना शामिल है। वेदास क्योर के संस्थापक और निदेशक विकास चावला ने कहा, 'हीमो-ग्लेनेमिया शरीर में हीमोग्लोबिन की आवश्यक मात्रा में बढ़ाता है।

टाटा टेक का करार

नई दिल्ली। टाटा टेक्नोलॉजीज ने तमिलनाडु के 71 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को आधुनिक प्रौद्योगिकी केंद्रों और प्रशिक्षण संस्थानों में बदलने के लिए राज्य सरकार के साथ समझौता किया है। वैश्विक इंजीनियरिंग कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस समझौते के तहत करीब 2,204 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। कंपनी ने इस उद्देश्य के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ पांच साल के लिए समझौता ज्ञापन (एमओए) किया है।

कैपरी स्ट्रेस्ड ने निवेश किया

मुंबई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (सीजीसीएल) की इकाई कैपरी स्ट्रेस्ड एसेट्स फंड ने दीपक फास्टनर्स में ऋण, परिवर्तनीय बांड और इक्विटी के रूप में 375 करोड़ रुपए का निवेश करने की घोषणा की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, लुधियाना की कंपनी दीपक फास्टनर्स निवेश के माध्यम से अपने कुछ ऋणदाताओं के कर्ज का भुगतान कर सकेगी। कंपनी ने दावा किया कि दीपक फास्टनर्स देश की सबसे बड़ी औद्योगिक फास्टनर विनिर्माता है।

स्कायबैग्स बाजार में उतारेगा समर कलेक्शन

नई दिल्ली। समर 2022 कलेक्शन की श्रेणी में आने वाले स्कायबैग्स के ट्रेवल बैग्स अपने चटखदार रंगों, आधुनिक व दिलकश शैली, मनमोहक प्रिंट्स के ज़रिए लोगों को लुभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। स्कायबैग्स द्वारा हाल ही में लॉन्च किए गए प्रचार अभियान में इसकी आकर्षक झलक देखी जा सकती है। जेनरेशन जेड की दुनिया की सैर करने और अलहृदा दिखने की आकांक्षाओं को दर्शाने वाले स्कायबैग्स के नए अभियान 'चेज़ द वर्ल्ड' में बोल्ड, बिंदास व रंग-बिरंगे डिज़ाइन के बैग्स को प्रस्तुत किया गया है। 'चेज़ द वर्ल्ड' अभियान से जुड़े वरुण धवन एक अभिनेता के तौर पर युवाओं में बेहद लोकप्रिय और एक यूथ आइकन के तौर पर अपनी पहचान रखने वाले वरुण धवन पिछले कई साल से स्कायबैग्स के साथ ब्रांड एम्बैसेडर के तौर पर जुड़े हुए हैं।

विश्व का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाएंगे अडाणी और टोटल

- इसके जरिए दोनों कंपनियों ने किया है समझौता
- एएनआईएल में 25% शेयर लेगी टोटल एनर्जीज
- क्लीन एनर्जी के मामले में अडाणी व टोटल आगे

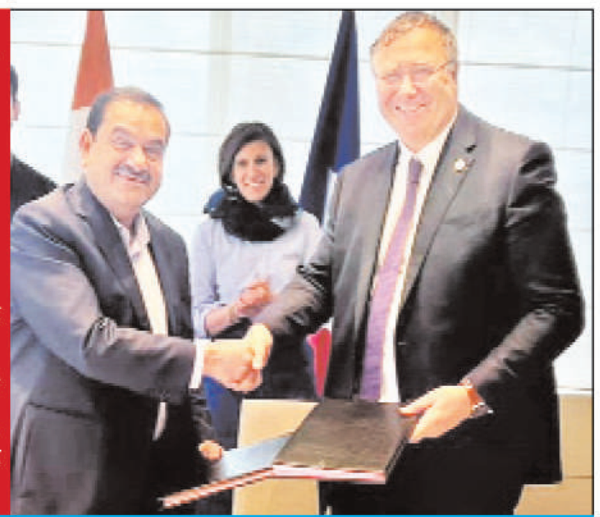

अडाणी-टोटल एनर्जीज संबंधों का रणनीतिक मूल्य, बिज़नेस और महत्वकांक्षा, दोनों स्तरों पर बहुत अधिक
गौतम अडाणी
चेयरमैन, अडाणी समूह

10 वर्षों में ग्रीन हाइड्रोजन और इससे संबंधित इकोसिस्टम के क्षेत्र में 50 बिलियन डालर से ज्यादा का निवेश करेगी एएनआईएल

नई दिल्ली (एसएनबी)।

भारत के सबसे तेजी से बढ़ते विविध व्यापार पोर्टफोलियो, अडाणी और फ्रांस की टोटल एनर्जीज ने संयुक्त रूप से दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने के लिए हाथ मिलाया है। इस रणनीतिक साझेदारी में टोटल एनर्जीज, अडाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) में अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) से 25% माइनारिटी इंट्रेस्ट का अधिग्रहण करेगी।

ग्रीन हाइड्रोजन पर केंद्रित इस नई साझेदारी से भारत और ग्लोबल स्तर पर एनर्जी लैंडस्केप में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। अडाणी और टोटल एनर्जी दोनों एनर्जी ट्रांजीशन और क्लीन एनर्जी अपनाने में सबसे आगे हैं। एएनआईएल की महत्वाकांक्षा अगले 10 वर्षों में ग्रीन हाइड्रोजन और संबंधित इकोसिस्टम में 50 बिलियन डालर से अधिक का निवेश करना है।

प्रारंभिक चरण में एएनआईएल 2030 से पहले एक मिलियन टन प्रति वर्ष की ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करेगा। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा, 'अडाणी-टोटल एनर्जीज संबंधों का रणनीतिक मूल्य, बिज़नेस और महत्वकांक्षा, दोनों स्तरों पर बहुत अधिक है। दुनिया में सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन प्लेयर बनने के हमारे सफर में, टोटल एनर्जीज के साथ पार्टनरशिप कई आयामों को साथ जोड़ती है जिसमें आरडी, मार्केट पहुंच और अंतिम उपभोक्ता की समझ शामिल है। यह मौलिक रूप से हमें बाजार की मांग को आकार देने की इजाजत देता है। यही कारण है कि मैं इस तरह का विशेष महत्व रखने वाले हमारे गठबंधन के निरंतर विस्तार को देखता हूं। यह साझेदारी कई रोमांचक डाउनस्ट्रीम रास्ते खोल देगी।'

उपलब्धि

टोटल एनर्जीज के चेयरमैन और सीईओ पैट्रिक पॉयने ने कहा, 'एएनआईएल में टोटल एनर्जीज का प्रवेश हमारी रिन्यूएबल और निम्न कार्बन हाइड्रोजन रणनीति को लागू करने में एक प्रमुख माइलस्टोन है, जहां हम 2030 तक अपनी यूरोपीय रिफाइनरियों में उपयोग किए जाने वाले हाइड्रोजन को न केवल डीकार्बोनाइज करना चाहते है, बल्कि मांग को पूरा करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के बड़े पैमाने पर उत्पादन में भी सबसे आगे है। उन्होंने कहा, इस दशक के अंत तक बाजार में तेजी आएगी। हम इस समझौते से भी बहुत खुश हैं। यह साझेदारी दो प्लेटफार्मों के बीच असाधारण तालमेल पर आधारित है।

अडाणी, भारतीय बाजार की अपनी गहरी समझ रैपिड एक्सेक्यूशन क्षमता, आपरेशनल एक्सीलेंस, और कैपिटल मैनेजमेंट के पक्ष को इस साझेदारी के तहत संभालेगा, जबकि टोटल एनर्जीज ग्लोबल और यूरोपीय बाजार की अपनी गहरी समझ के साथ ऋण वृद्धि और फाइनेंसिंग कास्ट को कम करने के लिए वित्तीय ताकत को बढ़ाने व तकनीक में विशेषज्ञता लाएगा। और भागीदारों की ताकत एएनआईएल को दुनिया में सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम प्रदान करने में मदद करेगी, जो बदले में उपभोक्ता को ग्रीन हाइड्रोजन की सबसे कम लागत प्रदान करेगा।

थोक महंगाई ने ली अंगड़ाई

- 30 साल के उच्च स्तर पर पहुंची थोक मुद्रास्फीति
- मई में बढ़कर 15.88 फीसद पर पहुंची थोक मुद्रास्फीति की दर

नई दिल्ली (भाषा/वार्ता)।

खाद्य वस्तुओं और कच्चा तेल के महंगा होने से थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 15.88 प्रतिशत के 30 साल के रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। थोक मुद्रास्फीति का यह 1991 के बाद से सबसे ऊंचा स्तर है।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति इस साल अप्रैल में 15.08 प्रतिशत और पिछले साल मई में 13.11 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'मई, 2022 में मुद्रास्फीति की उच्च दर मुख्य रूप से खनिज तेलों, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस, खाद्य पदार्थों, मूल धातुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं, रसायनों और रासायनिक उत्पादों तथा खाद्य उत्पादों आदि की कीमतों में पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले हुई वृद्धि के कारण है।' डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति पिछले साल अप्रैल से लगातार 14वें महीने दोहरे अंकों में बनी हुई है। मई में खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति 12.34 प्रतिशत थी। इस दौरान सब्जियों, गेहूं, फलों और आलू की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में तेज वृद्धि हुई।

सब्जियों के दाम 56.36 फीसद, गेहूं में 10.55 फीसद और अंडा, मांस तथा मछली की कीमत 7.78 फीसद बढ़ी। ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति 40.62 प्रतिशत थी, जबकि विनिर्मित उत्पादों और तिलहन में यह 10.11 प्रतिशत और 7.08 प्रतिशत रही।

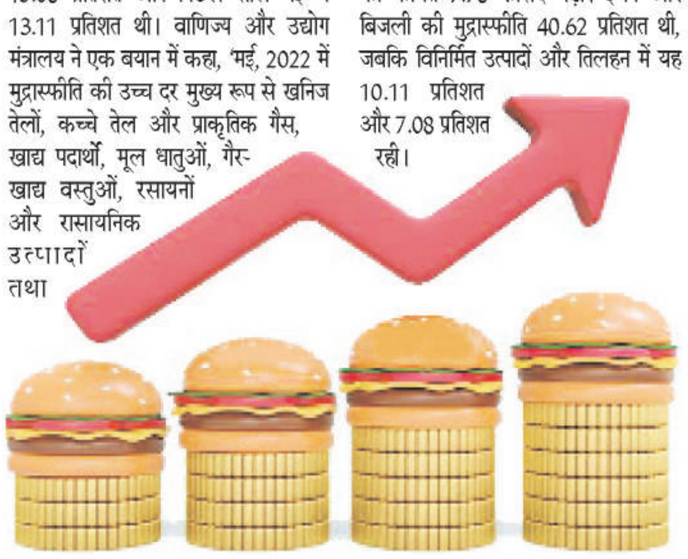

पंकज पटेल आरबीआई के बोर्ड में निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली (भाषा)।

जायडस लाइफसाइंस के चेयरमैन पंकज आर. पटेल को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। दवा विनिर्माता कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने पटेल की नियुक्ति को अधिसूचना जारी होने की तारीख से चार साल या अगले आदेश तक के लिए मंजूरी दे दी है।

कंपनी ने बताया कि पटेल पहले से ही इन्वेस्ट इंडिया समेत कई संस्थानों के निदेशक मंडल में शामिल है और वह मिशन संचालन समूह (एमएसजी) के सदस्य है।

वह आईआईएम-उदयपुर के संचालन और सोसाइटी बोर्ड के चेयरमैन होने के साथ आईआईएम (अहमदाबाद) के संचालन बोर्ड के सदस्य भी हैं।

दिसम्बर तक ब्याज दर 5.9% तक बढ़ा सकता है रिजर्व बैंक

नई दिल्ली (भाषा)।

फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर 2022 तक ब्याज दरों को 5.9 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है।

फिच ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के अपने ताजा अपडेट में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बिगड़ते बाहरी माहौल, जिंस कीमतों में बढ़ोतरी और सख्त वैश्विक मौद्रिक नीति का सामना कर रही है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, 'मुद्रास्फीति के लिए बिगड़ते परिदृश्य को देखते हुए, अब हमें उम्मीद है कि आरबीआई ब्याज दर को बढ़ाकर दिसंबर 2022 तक 5.9 प्रतिशत और 2023 के अंत तक 6.15 प्रतिशत (जबकि पिछला पूर्वानुमान पांच प्रतिशत था) कर सकता है और 2024 में इसके अपरिवर्तित रहने की उम्मीद है।' पिछले महीने तय कार्यक्रम के बिना एक नीति घोषणा में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दरों को 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 4.4 प्रतिशत कर दिया था, और बाद में पिछले सप्ताह इसे और बढ़ाकर 4.9 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के अंत तक महंगाई दर 6.7 फीसद रहने का अनुमान जताया है। मई में खुदरा महंगाई 7.04 फीसद पर थी।

फिच ने कहा, 'मुद्रास्फीति आठ साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई है और सीपीआई की अधिक श्रेणियों में फैल गई है। यह उपभोक्ताओं के लिए एक गंभीर चुनौती है। पिछले तीन महीनों में, खाद्य मुद्रास्फीति में वार्षिक आधार पर औसतन 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि स्वास्थ्य देखभाल का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है।' फिच के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में खपत बढ़ने से वृद्धि में सुधार होने की संभावना है, क्योंकि मार्च के अंत में कोविड-19 संक्रमण के मामले कम हो गए थे।

वर्ष 2027 तक 5000 अरब डालर की इकोनामी होगा भारत

- वर्ष 2033-34 तक 10000 अरब डालर की होगी इकोनामी
- मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने जताई उम्मीद

नई दिल्ली (भाषा)।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने मंगलवार को कहा कि भारत 2026-27 तक 5,000 अरब डालर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

उन्होंने उम्मीद जताई कि 2033-34 भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 10,000 अरब डालर होगा। यूएनडीपी इंडिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में नागेश्वरन ने कहा कि अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, 'हमारी अर्थव्यवस्था अभी 3,300 अरब डालर की है और 5,000 अरब डालर के लक्ष्य को हासिल करना बहुत मुश्किल नही है। अगर आप केवल डालर के लिहाज से अर्थव्यवस्था में 10 प्रतिशत की मामूली वृद्धि का अनुमान लगाए तो, वर्ष 2033-34 तक यह आंकड़ा 10,000 अरब डालर का हो जाएगा।'

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024-25 तक भारत की अर्थव्यवस्था को 5,000 अरब डालर पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

विश्व बैंक ने हाल में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की अर्थव्यवस्था के वृद्धि के अनुमान को घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया है।

राज्यों को जीएसटी मुआवजा तीन से 5 वर्षों के लिए बढ़ाने की मांग

कोलकाता (भाषा)।

पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री अमित मित्रा ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर उनसे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के साथ राज्यों को मिलने वाले मुआवजे को इस महीने के बाद अगले 3-5 साल के लिए जारी रखने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य के वित्त विभाग के प्रमुख मुख्य सलाहकार मित्रा ने कहा कि क्षतिपूर्ति व्यवस्था के विस्तार से राज्यों को बड़ी राहत मिलेगी। मित्रा ने सोमवार को दो पन्नों के पत्र में लिखा, 'यह निराशाजनक और अशुभ संकेतों वाला है कि केंद्र ने जुलाई 2022 से राज्यों के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) मुआवजे को वापस लेने का फैसला किया है। यदि ऐसा फैसला किया जाता है, तो यह जीएसटी को अपनाने की भावना के विपरीत है।'

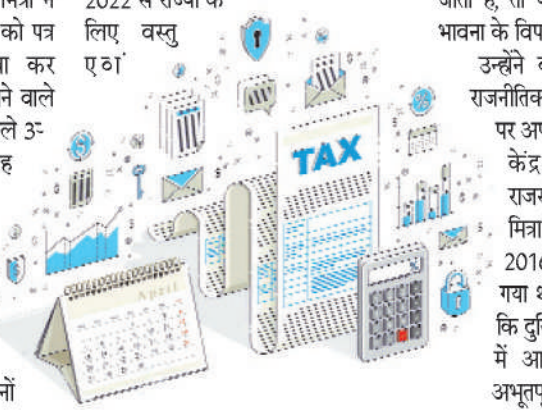

उन्होंने कहा कि सभी राज्यों, सभी राजनीतिक दलों ने जीएसटी को इस शर्त पर अपनाने का फैसला किया था, कि केंद्र उन्हें पांच साल के लिए राजस्व नुकसान की भरपाई करेगा। मित्रा ने आगे कहा कि लेकिन 2016 में जब उक्त निर्णय लिया गया था, तो किसी ने नहीं सोचा था कि दुनिया कोविड महामारी की चपेट में आ जाएगी और अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व तनाव में होगी।

श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने आर्थिक सुधार के लिए कई उपायों को मंजूरी दी

नई दिल्ली (भाषा)।

श्रीलंका की नकदी संकट से जूझ रही सरकार ने बड़ी कंपनियों पर 2.5 प्रतिशत सामाजिक योगदान कर लगाने सहित कई उपायों को मंजूरी दी है।

सरकार ने आर्थिक सुधार को सुगम बनाने और ऊर्जा एवं खाद्य संकट को कम करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकांश कर्मचारियों के लिए शुक्रवार को अवकाश घोषित किया है। श्रीलंका 1948 में ब्रिटेन से आजादी के बाद से सबसे भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहा है।

आर्थिक संकट के कारण भोजन, दवा, रसोई गैस और अन्य ईंधन, टॉयलेट पेपर और यहां तक कि माचिस जैसी आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी पैदा हो गई है।

मई में पाम तेल का आयात 33% घटा

नई दिल्ली (भाषा)। देश का खाद्य तेल आयात इस साल मई में 33.20 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 5,14,022 टन पर आ गया। साल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हालांकि, समीक्षाधीन महीने में आरबीडी पामोलीन के आयात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। भारत दुनिया का वनस्पति तेलों का प्रमुख खरीदार है। मई, 2021 में पाम तेल का आयात 7,69,602 टन रहा था। एसईए के अनुसार, मई में देश का कुल वनस्पति तेल आयात घटकर 10,05,547 टन रह गया, जो एक साल पहले समान महीने में 12,13,142 टन था। देश के वनस्पति तेल आयात में पाम तेल की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है।

एसईए के मुताबिक, इंडोनेशिया ने 23 मई से पाम तेल के निर्यात पर रोक को कुछ शर्तों के साथ हटा दिया है। साथ ही उसने निर्यात कर में भी कमी की है। इस वजह से इंडोनेशिया से निर्यात बढ़ेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर कीमतें प्रभावित होंगी। पाम तेल उत्पादों की बात की जाए, तो कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का आयात मई में घटकर 4.09 लाख टन रह गया। एक साल पहले समान महीने में यह 7.55 लाख टन था। हालांकि, आरबीडी पामोलीन का आयात बड़ी बढ़ोतरी के साथ एक लाख टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान महीने में 2,075 टन था। कच्चे पाम कर्नेल तेल (सीपीकेओ) का आयात 11,894 टन से घटकर 4,265 टन पर आ गया।

54 रुपए लीटर पेट्रोल बांट रही है मनसे

- राज ठाकरे के जन्म दिन पर बांटा गया है सस्ता पेट्रोल
- लोगों को महंगाई से राहत दिलाने को मनसे ने उठाया कदम
- पेट्रोल पंपों पर लगी एक किलोमीटर तक लंबी कतारें

औरंगाबाद (वार्ता)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे के 54वें जन्मदिन के मौके पर मंगलवार को मनसे ने महंगाई से राहत दिलाने के लिए लोगों को 54 रुपए प्रति लीटर की दर से सीमित समय में पेट्रोल उपलब्ध कराया।

शहर में सस्ते दर पर पेट्रोल की खबर फैलने के बाद लोग पेट्रोल पंप की ओर बढ़े और क्रांति चौक पेट्रोल पंप के सामने करीब एक किमी लंबी कतारें देखी गई। मनसे के नेता सुमित खंबेकर ने कहा हालांकि, पार्टी ने केवल सुबह आठ से नौ बजे के बीच पेट्रोल उपलब्ध कराया और दरों का अंतर मनसे द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल के दाम कम कर ग्राहकों को राहत दी है लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक पेट्रोल के दाम कम नहीं किए है। इसलिए हमारी पार्टी ने लोगों को कुछ राहत देने के लिए कम दरों पर पेट्रोल उपलब्ध कराने का फैसला किया था।

ड्रोन नियमों के तहत 'फर्स्ट टाइप' प्रमाणपत्र प्रदान किए गए

नई दिल्ली (भाषा)। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को आईओटेक वर्ल्ड एविगेशन को नए ड्रोन नियमों के तहत 'फर्स्ट टाइप' (टीसी) प्रमाणपत्र प्रदान किया। नए ड्रोन नियम पिछले साल 25 अगस्त को जारी किए गए थे।

नागर विमानन मंत्रालय ने ट्वीट किया, 'ड्रोन नियम 2021 के तहत, भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) या एक अधिकृत परीक्षण इकाई की सिफारिश पर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) विशिष्ट प्रकार की मानव रहित विमान प्रणाली (ड्रोन) के लिए प्रमाणपत्र जारी करता है।' मंत्रालय ने कहा, "नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आईओटेक वर्ल्ड के निदेशक अनूप उपाध्याय को ड्रोन नियम, 2021 के तहत 'फर्स्ट टाइप' प्रमाणपत्र प्रदान किया।'

अगले तीन माह रोजगार बाजार रहेगा गुलजार

- कारपोरेट सेक्टर ने जुलाई से सितम्बर के बीच जताया है बंपर भर्तियों का अनुमान

नई दिल्ली (भाषा)। भारत में आने वाले महीनों में रोजगार बाजार के काफी मजबूत रहने की संभावना है। मंगलवार को जारी एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 63 प्रतिशत कंपनियां पुनरुद्धार में तेजी लाने और आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए अगले तीन महीनों यानी जुलाई-सितम्बर तिमाही में भर्ती करने की योजना बना रही हैं। 'मैनपावर ग्रुप के रोजगार परिदृश्य' सर्वे के मुताबिक, भारत में 2022 की जुलाई-सितम्बर तिमाही के दौरान रोजगार परिदृश्य के अत्यधिक मजबूत रहने की संभावना है।

सर्वे के अनुसार इस दौरान शुद्ध रोजगार परिदृश्य आठ साल के उच्च स्तर 51 प्रतिशत पर रह सकता है। शुद्ध रोजगार परिदृश्य को कुल रोजगार में वृद्धि की संभावना वाले नियोक्ताओं के प्रतिशत में से नियुक्ति गतिविधियों में कमी की आशंका जताने वाले नियोक्ताओं के प्रतिशत को घटाकर निकाला जाता है।

सर्वेक्षण के मुताबिक जुलाई-सितम्बर तिमाही के दौरान 63 प्रतिशत कंपनियों को नियुक्ति स्तर में वृद्धि की उम्मीद की है, 12 फीसद ने नियुक्तियों में कटौती की आशंका जाहिर की, जबकि 24 प्रतिशत लोगों ने यथास्थिति की बात कही। मैनपावर के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा, 'बढ़ती मुद्रास्फीति और भूराजनीतिक अस्थिरता के बावजूद भारत में सुधार प्रक्रिया को तेज करने और आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए सभी क्षेत्रों में सकारात्मक भावना है।'

63 फीसद कंपनियों ने जताया है नई नियुक्तियां होने का अनुमान

51 फीसद पर रह सकता है देश का शुद्ध रोजगार परिदृश्य

12 फीसद कंपनियों ने जताई है नौकरियों में छंटनी की आशंका

24 फीसद कंपनियों ने कहा अभी बरकरार रहेगी मौजूदा स्थिति

क्रिकेट : पांच मैचों की सीरीज में टीम इंडिया की पहली जीत, चहल बने प्लेयर ऑफ द मैच

रुतुराज-ईशान ने ठोके रन, हर्षल-युजी ने चटकाए विकेट भारत ने 48 रन से जीता तीसरा मैच, सीरीज में बरकरार

एजेंसी ▶▶| विशाखापट्टनम

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 5 मैचों की सीरीज का तीसरा टी-20 मैच विशाखापत्तनम के डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया।

साऊथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर एक बार फिर से गेंदबाजी करने का फैसला लिया। टीम इंडिया ने ओपनर रुतुराज के 57, ईशान किशन के 54 तो हार्दिक पांड्या के 21 गेंदों में बनाए 31 रनों की बदौलत 179 रन बना लिए। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम 131 रन पर ऑल आऊट हो गई। टीम इंडिया ने यह मैच 48 रनों से जीता। भारतीय गेंदबाज हर्षल पटेल ने 25 रन देकर चार विकेट लिए जबकि युजी 20 रन देकर तीन विकेट निकालने में सफल रहे।

रुतुराज ने लगाए एनरिक को पांच चौके

टीम इंडिया ने सधी हुई शुरूआत की थी लेकिन पांचवें ओवर में रुतुराज ने सारा नक्शा ही बदल दिया। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिक नोत्र्जे के एक ओवर में रुतुराज ने पांच चौके जड़ दिए। एनरिक इस दौरान अपनी दिशा से भी भटकते नजर आए। रुतुराज के धमाके के कारण टीम इंडिया ने पहले पावरप्ले में बिना विकेट खोए 57 रन बना लिए।

रुतुराज का पहला इंटरनेशनल अर्धशतक

रुतुराज की पारी का अंत 10वें ओवर में हुआ जब वह केशव महाराज की गेंद को सीधा मारने के चक्कर में लपके गए। रुतुराज ने 35 गेंदों में सात चौके और दो छक्कों की मदद से 57 रन बनाए। यह उनका टी-20 इंटरनेशनल में पहला पचासा है जोकि उनके छठे मैच में सामने आया। रुतुराज अब तक 6 मैचों में 120 रन बना चुके हैं।

डीआरएस से बचे श्रेयस, 2 गेंद बाद आऊट

तीसरे नंबर पर श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने दो छक्के लगाकर स्कोर आगे बढ़ाया। वह शम्सी के एक रोमांचक ओवर में आऊट हुए जिसमें उन्होंने पहली ही गेंद पर सिक्स जड़ा था। अय्यर शम्सी के ओवर की चौथी गेंद पर पगबाधा आऊट हो गए थे लेकिन डीआरएस ने उन्हें बचा लिया। आखिरी गेंद पर जब वह फिर से बड़ी हिट लगाने की कोशिश में थे तो उन्हें एनरिक ने लपक लिया। श्रेयस ने 11 गेंदों में 14 रन बनाए।

ईशान का सीरीज में दूसरा अर्धशतक

ईशान किशन ने एक छोर संभालते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। सीरीज में यह उनका दूसरा अर्धशतक है। उन्होंने पहले टी-20 में भी 76 रन की पारी खेली थी। दूसरे टी-20 में रन गति बढ़ाने के चक्कर में वह आऊट हो गए। ईशान को प्रिटोरियस ने हैडरिक्स के हाथों कैच आऊट कराया। ईशान ने 33 गेंदों में पांच चौके और 2 छक्कों की मदद से 54 रन बनाए।

सिर्फ 6 रन बना पाए पंत

पंत तीसरे टी-20 में भी रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। वह प्रिटोरियस की गेंद पर छक्का उड़ाने के चक्कर में बावुमा के हाथों लपके गए थे। ठीक कुछ ऐसा ही शॉट लगाकर वह कटक टी-20 में भी आऊट हुए थे। पंत ने 8 गेंदों में 6 रन बनाए।

हार्दिक बने फिनिशर

पंत के बाद जब दिनेश कार्तिक भी 6 रन बनाकर आऊट हो गए तो हार्दिक पांड्या ने आखिरी ओवरों में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की खबर ली। उन्होंने 21 गेंदों में चार चौकों की मदद से 31 रन बनाकर टीम इंडियो को 179 रन तक पहुंचाया। हार्दिक ने पहले टी-20 में भी 31 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत खराब रही।

चहल ने लिए 3 विकेट

भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने पहले दूसें को 1 रन पर पवेलियन लौटाया। उसके बाद ड्वेन प्रिटोरियस को भी पंत के हाथों आऊट कराया। हर्षल ने भी दो विकेट निकाले जिससे 13 ओवरों में अफ्रीका पांच विकेट गंवा चुकी थी। चहल ने 3 विकेट लिए।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
रुतुराज का और बो महाराज	57	35	7	2
ईशान का हेंडरिक्स बो प्रिटोरियस	54	35	5	2
श्रेयस अय्यर का नॉर्किया बो शम्सी	14	11	0	2
ऋषभ पंत का बावुमा बो प्रिटोरियस	06	08	0	0
हार्दिक पंड्या नाबाद	31	21	4	0
दिनेश कार्तिक का परनेल बो रबाडा	06	08	0	0
अक्षर पटेल नाबाद	05	02	1	0

अतिरिक्त : 6, कुल : 20 ओवर में 179/5 रन
गेंदबाजी : रबाडा 4-0-31-1, परनेल 4-0-32-0, नॉर्किया 2-0-23-0, प्रिटोरियस 4-0-29-2, शम्सी 4-0-36-1, महराज 2-0 -24-1

द.अफ्रीका पारी	रन	गेंद	4	6
तेम्बा बावुमा का आवेश बो अक्षर	08	10	0	0
रीजा हेंड्रिक्स का चहल बो हर्षल	23	20	2	1
ड्वेन प्रिटोरियस का पंत बो चहल	20	16	2	1
रासी वान डेर डुसेन का पंत बो चहल	01	04	0	0
हेनरिच क्लासेन का अक्षर बो चहल	29	24	3	1
डेविड मिलर का गायकवाड़ बो हर्षल	03	05	0	0
वेन परनेल नाबाद	22	18	2	0
कैगिसो रबाडा का चहल बो हर्षल	09	08	1	0
केशव का कार्तिक बो भुवनेश्वर	11	08	0	1
एनरिच नॉर्किया रन आउट	0	01	0	0
तबरेज शम्सी का आवेश बो हर्षल	0	01	0	0

अतिरिक्त : 5 रन, कुल : 19.1 ओवर में 131/10 रन
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-21-1, आवेश 4-0-35-0, अक्षर 4- 0-28-1, चहल 4-0-20-3, हर्षल 3.1-0-25-4

खबर संक्षेप

थामस ब्रैडरिक चेन्नईयिन के मुख्य कोच नियुक्त

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग में दो बार की चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी ने मंगलवार को पूर्व जर्मन फुटबॉलर थॉमस ब्रैडरिक को आगामी सत्र से पहले टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया। ब्रैडरिक ने जर्मन राष्ट्रीय टीम का आठ मैचों प्रतिनिधित्व करके एक गोल किया। उन्हें जर्मनी की निचली स्तर की लीग में कोचिंग का अपार अनुभव है। वह पूर्व भारतीय खिलाड़ी सैयद साबिर पाशा की जगह लेंगे जिन्हें बोजिदार बैंडोविच को बर्खास्त किये जाने के बाद अंतरिम कोच नियुक्त किया गया था। टीम के आईएसएल 2021-22 सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण बैंडोविच को बीच में ही हटा दिया गया था।

अब मेरा अगला लक्ष्य 14.35 मीटर का : एथलीट ऐश्वर्या

चेन्नई। राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के त्रिकूद स्पर्धा में 14.14 मीटर के शानदार प्रयास के साथ महिलाओं में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाली ऐश्वर्या बाबू ने कहा कि अब मेरा लक्ष्य 14.35 मीटर की दूरी को हासिल करना है। बाबू ने कहा कि अगर आपने जन्म लिया है तो आपको कुछ हासिल करना ही होगा'। बेंगलुरु की 24 साल इस खिलाड़ी ने सोमवार को मयूखा जॉनी के 2011 में 14.11 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा। ऐश्वर्या ने इससे पहले रविवार को लंबी कूद के क्वालीफिकेशन दौर में 6.73 मीटर की शानदार कूद लगायी जो किसी भारतीय महिला खिलाड़ी का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास है। उनसे बेहतर प्रयास विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज के नाम है जो 6.83 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है।

संतुलन बनाने रूट ने एक पैर पर बल्लेबाजी का अभ्यास किया

नॉटिंघम। कोविड-19 महामारी के दौरान जब क्रिकेट सहित अन्य खेल गतिविधियां ठप हो गईं, तब इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट बेहतर संतुलन हासिल करने के लिए एक पैर पर बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे। इस बात का खुलासा जो रूट के पिता मैट ने किया।

आधुनिक समय के महानतम बल्लेबाजों में शमिल रूट न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला में शानदार लय में हैं। उन्होंने इस दौरान टेस्ट में 10,000 रनों का आंकड़ा पार किया और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया।

आईसीए ने पेंशन दोगुनी करने पर बीसीसीआई का जताया आभार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर संघ (आईसीए) के अध्यक्ष अशोक मल्होत्रा ने पूर्व टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों के साथ सेवानिवृत्त अंपायरों की पेंशन बढ़ाने के लिये बीसीसीआई का आभार व्यक्त किया। ज्ञात हो कि अब तक जिन क्रिकेटरों की पेंशन 15,000 रुपये थी, उसे बढ़ाकर

30,000 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह से 37,500 रुपये की पेंशन को बढ़ाकर 60,000 रुपये कर दिया गया है। अब तक 50,000 रुपये पेंशन पाने वालों को अब 70,000 रुपये मिलेंगे। आईसीए के अध्यक्ष अशोक मल्होत्रा ने बयान में कहा मैं आभारी हूं कि बीसीसीआई ने हमारे इस अनुरोध को स्वीकार करके इस पर अमल किया जिससे कई क्रिकेटरों को फायदा हुआ।

जायसवाल की शतकीय पारी ने यूपी के खिलाफ मुंबई को संभाला

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की 100 रन की पारी से मुंबई ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में मंगलवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक पांच विकेट पर 260 रन बना लिये। जायसवाल ने 227 गेंद की पारी में 15 चौके जड़े। उन्होंने इस दौरान तीन अर्धशतकीय साझेदारियां की। उन्होंने सुवेद पारकर (32) के साथ तीसरे विकेट के लिए 63, शानदार लय में चल रहे सरफराज खान (40) के साथ चौथे विकेट के लिए 83 और विकेटकीपर हार्दिक तामोरे (नाबाद 51) के साथ पांचवें विकेट के लिए 63 रन की साझेदारियां निभाकर टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाया।

यूपी के गेंदबाजों ने लिए शानदार विकेट

उत्तर प्रदेश के कप्तान करण शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। तेज गेंदबाज यश दयाल (35 रन पर दो विकेट) ने मुंबई के कप्तान पृथ्वी साव को खाता खोले बगैर पवेलियन भेज दिया। शिवम मावी (29 रन पर एक विकेट) ने इसके बाद पारी के 15वें ओवर में अरमान जाफर (10 रन) को आउट कर उत्तर प्रदेश को दूसरी सफलता दिलायी। पिछले मैच में पदार्पण पर दोहरा शतक जड़ने वाले पारकर एक बार फिर बड़ी पारी खेलने की ओर बढ़ रहे थे लेकिन दयाल ने उन्हें सौरव कुमार के हाथों कैच कराकर उनकी 98 गेंद की पारी का अंत किया।

हिमांशु के नाबाद शतक से मध्य प्रदेश शुरुआती झटकों से उबरा

अलूर। बायें हाथ के बल्लेबाज हिमांशु मंत्री ने अपने प्रथम श्रेणी करियर का पहला शतक जमाया जिससे मध्य प्रदेश ने बंगाल के खिलाफ रणजी ट्राफी सेमीफाइनल के पहले दिन मंगलवार को यहां शुरुआती झटकों से उबरकर छह विकेट पर 271 रन बनाये। हिमांशु 134 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं।

इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने अपनी पारी में अब तक 280 गेंदों का सामना करके 15 चौके और एक छक्का लगाया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिये उतरे मध्य प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बंगाल के मुकेश कुमार ने (45 रन देकर दो विकेट) शानदार गेंदबाजी की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिये उतरे मध्य प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा मुकेश कुमार (45 रन देकर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 97 रन था। हिमांशु को यहीं से अक्षत रघुवंशी के रूप में अदद जोड़ीदार मिला। इन दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 123 रन की साझेदारी की।

गोवा में प्रशिक्षकों को देना होगा फिटनेस प्रमाणपत्र

पणजी। गोवा के खेल मंत्री गोविंद गौडे ने कहा है कि खेल विभाग में कार्यरत प्रशिक्षकों को हर दो साल में फिटनेस प्रमाणपत्र जमा करना होगा। गौडे ने कहा कि उन्होंने राज्य में विभिन्न खेल सुविधाओं का औचक दौरा किया, जहां कई बार कोच उपस्थित नहीं मिले। इस साल मार्च में मंत्रालय का कार्यभार संभालने वाले गौडे ने कहा कि एक बार कोच की नियुक्ति हो जाने के बाद खेल विभाग कभी उनकी फिटनेस की जांच नहीं करता है। उन्होंने कहा, "क्या एक अनफिट कोच फिट खिलाड़ी तैयार कर सकता है? हम नियम बनाएंगे कि हर दो साल में उन्हें फिटनेस प्रमाणपत्र पेश करना होगा, जो उनके लिये भी अच्छा होगा।

एएफसी एशियाई कप फाइनल्स के लिए भारतीय टीम क्वालीफाई

फलस्तीन की जीत से भारत को फायदा

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने मंगलवार को उलानबटोर में खेले गये ग्रुप बी के मैच में फलस्तीन की फिलीपीन्स पर जीत से एएफसी एशियाई कप फाइनल्स के लिये क्वालीफाई कर लिया।

इस परिणाम का मतलब है कि फलस्तीन ने ग्रुप में शीर्ष पर रहने के कारण 24 टीम के फाइनल्स के लिये सीधे क्वालीफाई कर लिया जबकि चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज होने के बावजूद फिलीपीन्स बाहर हो गया। यह पहला अवसर है जबकि भारत ने लगातार दूसरी बार एशियाई कप के लिए क्वालीफाई किया है। वह 2019 में ग्रुप लीग से बाहर हो गया था। क्वालीफाईंग के तीसरे दौर के लिये चार - चार टीम के छह ग्रुप बनाये गये हैं। सभी ग्रुप के मैच अलग - अलग स्थलों पर आयोजित किये जा रहे हैं।

पहली बाधा ही पार नहीं कर पाए सिंधू और प्रणीत, इंडोनेशिया ओपन से हुए बाहर

एजेंसी ▶▶| जकार्ता

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार को चीन की ही बिंग जियाओ से सीधे गेम में हारकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के पहले दौर से बाहर हो गईं। सातवीं वरीयता प्राप्त सिंधू को महिला एकल में बिंग जियाओ से 14-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से बिंग जियाओ का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 10-8 हो गया है। वहीं बी साई प्रणीत भी पुरुष एकल में डेनमार्क के हैंस क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस से 16-21, 19-21 से हार गए। इस हार से सिंधु की अगले महीने होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों पर असर पड़ेगा। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू इस सत्र में केवल दो खिताब ही जीत पायी है। सिंधू ने बिंग जियाओ के खिलाफ धीमी शुरुआत की। चीनी खिलाड़ी ने जल्द ही 9-2 से बढ़त हासिल कर ली और ब्रेक तक वह 11-4 से आगे थी। सिंधू ने इसके बाद लगातार चार अंक बनाये लेकिन बिंग जियाओ ने आगे उन्हें वापसी का मौका नहीं दिया। बिंग जियाओ ने दूसरे गेम में भी 5-1 की बढ़त हासिल की।

ईशान-तनीषा बाहर

ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी को भी इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा। यह भारतीय जोड़ी हांगकांग की चांग टाक चिंग और एनजी विंग युंग होंग की जोड़ी से केवल 32 मिनट में 14-21, 11-21 से हारकर बाहर हो गई।

मैक्सिको के लियोन में अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ में सनापति ने रचा इतिहास

कभी मुश्किल से पेटभर मिलता था खाना, गुदड़ी का लाल बना वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी ▶▶| लियोन

गुरुनायडू सनापति ने मैक्सिको के लियोन में अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ में इतिहास रच दिया। वह विश्व युवा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय वेटलिफ्टर बने। इस 16 वर्षीय वेटलिफ्टर ने 55 किग्रा भार वर्ग में 230 किग्रा (104 किग्रा और 126 किग्रा) के कुल प्रयास के साथ सोने का तमगा जीता। एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2020 के कांस्य पदक विजेता सनापति शीर्ष पर रहे।

पिता मजदूर, खुराक भी पूरी नहीं मिलती थी

खेतिहर मजदूर किसान के बेटे सनापति को एक वक्त बड़ी मुश्किल से पेटभर खाना नसीब होता था। उनकी खुराक भी पूरी नहीं होती थी। पिता दूसरे के खेतों में काम करते थे। तमाम परेशानियों के बावजूद गुरुनायडू हार नहीं माने और अपने सपने का पीछा करते रहे। उनकी जिद ही थी कि आज वह मुश्किलों से लड़कर विश्व चैंपियन बन गए हैं।

सऊदी अरब दूसरे व कजाकिस्तान तीसरे नंबर पर

सऊदी अरब के अली मजीद 229 किग्रा (105 किग्रा और 124 किग्रा) दूसरे तथा कजाकिस्तान के येरासिल उमरोव 224 किग्रा (100 किग्रा और 124 किग्रा) तीसरे स्थान पर रहे।

भारत की लड़कियों ने भी दिखाया कमाल

सनापति के अलावा भारत की सौम्या एस दलवी ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन अपनी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। महाराष्ट्र की दलवी ने लड़कियों के 45 किग्रा में 148 किग्रा (65 किग्रा और 83 किग्रा) भार उठाकर फिलीपींस की रोज ए रामोस- 155 किग्रा (70 किग्रा और 85 किग्रा) तथा वेनेजुएला की केर्लिस एम मोंटिला - 153 किग्रा (71 किग्रा और 82 किग्रा) के बाद तीसरा स्थान हासिल किया।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन

इस स्पर्धा में भाग लेने वाली एक अन्य भारतीय खिलाड़ी आर भवानी 132 किग्रा (57 किग्रा और 75 किग्रा) के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ आठवें स्थान पर रही। भारत इस प्रतियोगिता में अब तक चार पदक जीत चुका है। प्रतियोगिता के पहले दिन आकांक्षा किशोर व्यावरे और विजय प्रजापति ने अपनी स्पर्धाओं में रजत पदक जीते थे।

छेत्री के संन्यास के सवाल बेहद हास्यास्पद

कोलकाता। भारत के दिग्गज खिलाड़ी रहे आईएम विजयन का मानना है कि अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री के पास अब भी भारतीय फुटबॉल में काफी योगदान करने की क्षमता है और फिलहाल उनके संन्यास के बारे में बातें सुनना

हास्यास्पद लगता है। भारत ने एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में अपने ग्रुप डी अभियान की शुरुआत कंबोडिया पर 2-0 से जीत के साथ की जिसमें दोनों गोल छेत्री ने दागे। भारतीय कप्तान ने दूसरे मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ भी एक गोल कर टीम की जीत की नींव रखी। विजयन का मानना है कि 37 साल की उम्र के बावजूद छेत्री अभी काफी योगदान कर सकते है।

संदिग्ध परिस्थितियों में दंपति की मौत

प्रखर अदलहाट/मिजार्पुर। पुलिस चौकी नारायनपुर अन्तर्गत ग्राम विशेषरपुर माफी निवासी बुद्धू सेठ पुत्र स्व. अमरनाथ सेठ उम्र करीब 35 वर्ष व बुद्धू सेठ की पत्नी रानी देवी उम्र करीब 33 वर्ष, जो खाना खाकर बीते मंगलवार की रात्रि में साथ में सोये थे। आज दिन बुधवार की सुबह काफी देर हो जाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो मृतक के भाई का लड़का शनी सेठ बाहर से आवाज लगाया, परन्तु कोई जवाब नही मिला। परिवारीजन द्वारा किसी तरह से दरवाजा खोलकर देखा गया तो पति-पत्नी दोनो मृत अवस्था में बिस्तर पर मिलें। जिसकी सूचना परिजनों ने तत्काल स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक अदलहाट व चौकी प्रभारी नरायनपुर द्वारा पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को सुरक्षित कर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है।

मौके पर पुलिस उपाधीक्षक चुनार, प्र.नि. अदलहाट व चौकी प्रभारी नारायनपुर समेत अन्य जगहों की फोर्स मौके पर पहुंच गए। देखने से यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा था। खबर लिखे जाने तक घटना का स्पष्ट कारण नहीं पता हो पाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने से पहले किसी भी तरह की जानकारी देने से इनकार किया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक उपरोक्त की शादी करीब 15 वर्ष पूर्व हुई थी, परन्तु अभी तक कोई सन्तान नही हुई। इस बात को लेकर अक्सर पति पत्नी अवसाद ग्रस्त रहते थे। दंपति की मौत आत्महत्या है या किसी अन्य वजह से यह तो पुलिस के जांच का विषय है। फिलहाल खबर लिखे जाने तक घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया था।

एससीईआरटी की राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता मे तीसरी बार जिले का बढ़ाया गौरव

प्रखर मिजार्पुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित की गई राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता मे चयनित होने की सफलता मिली है। जिन्हें योग दिवस के अवसर पर लखनऊ मे संस्था द्वारा सम्मानित किया जायेगा। इस सफलता पर बेसिक शिक्षा विभाग भी गौरवान्वित हुआ है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा 17 से 20 मई के मध्य लखनऊ मे राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता मे जिला स्तर से चयनके पश्चात अवधेश कुमार सिंह प्रा.वि. जुडुई विकास खण्ड जमालपुर ने प्रतिभाग किया। राज्य प्रतियोगिता मे वाह्य विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया गया। राज्य प्रतियोगिता का परिणाम एससीईआरटी द्वारा घोषित किया गया, जिसमें अवधेश सिंह का चयन हुआ। जिन्हे राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद द्वारा 21 जून को योग दिवस के मौके पर पुरस्कृत किया जायेगा। राज्य स्तर पर चयन के पश्चात उप शिक्षा निदेशक डा. फतेहबहादुर सिह, प्रवक्ता सन्तोष कुमार, शारिरिक शिक्षा प्रवक्ता अवधेश जी(चयनकर्ता), जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम प्रसाद, खण्ड शिक्षा अधिकारी समेत अनेक शिक्षकों ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

अमृत योग सप्ताह पर ग्राम प्रधान ने लोगों को दिया प्रशिक्षण, निरोग रहने के लिए किया प्रेरित

प्रखर गोरखपुर। जिले में अंतराष्ट्रीय अमृत योग सप्ताह का शुभारंभ हो चुका हैं। गोरखपुर जनपद के सहजनवा तहसील अंतर्गत खिरीडाढ़ गांव में योग शिविर लगाया गया। योग दिवस समुचित प्रयोग से न केवल रोग दूर होते हैं। अपितु जीवन में आनंद की प्राप्ति होती है। उन्होंने लोगों को योग एवं व्यायाम कराया। 21 जून को विश्व योग दिवस पर होने वाले कार्यक्रम में

को लेकर लोगों को प्रेरित किया गया। खिरीडाढ़ ग्राम सभा के प्रधान विजय कुमार उर्फ त्रिपुरारी ने कहा कि योग स्वास्थ्य के लिए वास्तव में अमृत है। विजय कुमार उर्फ त्रिपुरारी ने आसन में प्राण शक्ति के उपयोग एवं महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्राण शक्ति न केवल शारीरिक अपितु मानसिक और अध्यात्मिक सामर्थ का मूल है। योग से भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान खीरीडाढ़ विजय कुमार उर्फ त्रिपुरारी, रोजगार सेवक धीरेंद्र यादव, सफाई कर्मी सुरेश एवं चंद्रशेखर, राम भवन, संदीप साहनी, प्रदीप कुमार, गीता देवी, रामावती, गुंजा एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे। नियमित योगाभ्यास से स्वस्थ्य करें तन व मन और स्वस्थ रहें निरोग रखें।

संक्षिप्त खबरें

उदयपुर में अमृत सरोवर योजना का हुआ भूमि पूजन

प्रखर दानगंज/चोलापुर। थाना क्षेत्र के उदयपुर चंदापुर में अमृत सरोवर योजना का भूमि पूजन हुआ और तालाब आराजी नंबर 115 जिसमें गांव के सम्मानित बुजुर्ग रामजी मिश्रा द्वारा पूजन कराया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता प्रिंस चौबे ने कहा कि सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। अमृत सरोवर योजना ग्रामीण अंचलों के लिए एक सराहनीय पहल है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव बीना सोनकर ग्राम प्रधान सुद्धू व क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय चौबे, अरविंद चौबे, चंदन प्रजापति, पप्पू प्रजापति, सुनील मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

सदर सांसद रवि किशन शुक्ला ने पीडब्लूडी मंत्री जितिन प्रसाद से मांगा 10 फोरलेन

प्रखर गोरखपुर। जिले के सदर सांसद रवि किशन शुक्ला ने सोमवार को प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात कर गोरखपुर के विकास कार्यों की चर्चा की। सांसद ने गोरखपुर के तीव्र विकास के लिए 10 फोरलेन के निर्माण का अनुरोध किया। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने इस संबंध में सकारात्मक निर्णय का आश्वासन दिया। सांसद रवि किशन ने बताया कि उन्होंने पीडब्लूडी मंत्री से गोरखपुर के विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए अधूरे कार्यों को पूर्ण कराने का भी अनुरोध किया। मंत्री ने इनको शीघ्रता से पूरा कराने का भरोसा दिया। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश-प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। सड़कें विकास का प्रतीक होती हैं। अच्छी सड़कों वाले क्षेत्र का विकास तेजी से होता है। यूनिवर्सिटी चौराहा से छात्रसंघ चौराहा होते हुए पैडलेगंज तक, आंबेडकर चौराहा से जिलाधिकारी आवास होते हुए यूनिवर्सिटी चौराहा तक, आंबेडकर चौराहा से विकास भवन होते हुए छात्रसंघ चौराहा तक, आंबेडकर चौराहा से इंदिरा बाल बिहार होते हुए प्रधान डाकघर तक, आंबेडकर चौराहा से शास्त्री चौक तक, शास्त्री चौक से घोष कंपनी चौराहा तक, ट्रांसपोर्टनगर चौराहा से मुंशी प्रेमचंद पार्क होते हुए बेतियाहाता चौराहा तक, एयरपोर्ट से जगदीशपुर एनएच 28 तक, कैंट थाना होते हुए कैंट चौक व फिराक गोरखपुरी चौक तक, हड़हवा फाटक से एचएन सिंह तक फोरलेन की मांग रखी।

बिल्डिंग मटेरियल की दुकान से पचास हजार रुपए की चोरी

प्रखर सहजनवा/घघसरा/गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के घघसरा बाजार स्थित गुप्ता बिल्डिंग मटेरियल की दुकान में चोरों ने मंगलवार की रात शटर का ताला तोड़कर 50000 रूपए रखे गए नगद सिक्के के गट्ठर को उठा ले गए। बुधवार की भोर में जब दुकान का मालिक मोलहू प्रसाद गुप्ता ने सफाई करने पहुंचा तो नजारा देखकर दंग रह गया। दुकान का सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था और गिन कर रखा गया सिक्के का गट्ठर गायब था। मामला समझते ही पीड़ित ने 112 नंबर पुलिस और स्थानीय पुलिस चौकी घघसरा को घटना की सूचना दिया। उक्त- संदर्भ में थाना प्रभारी अंजुल कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि- घटना की जानकारी होते ही पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी है, दोषियों का पता शीघ्र चल जाएगा।

प्रवक्ता पद पर हुआ चयन परिवार व क्षेत्र में खुशी की लहर

प्रखर गंभीरपुर/आजमगढ़। राजकीय कॉलेज में प्रवक्ता पद पर चयन होने के बाद इलाहाबाद से घर वापसी के प्रथम आगमन पर गंभीरपुर बाजार में चयनित प्रवक्ता अमित कुमार का गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान लोगों ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। बताते चलें कि विकास खण्ड ठेकमा के गांव बेलऊ निवासी अमित कुमार पुत्र स्वर्गीय नन्दलाल भास्कर का चयन जीआईसी प्रवक्ता पद पर 7 जून को हुआ। इलाहाबाद से घर जाते बुधवार को परिवार व क्षेत्र के लोगो ने गंभीरपुर बाजार में गाजे बाजे के साथ माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। अमित कुमार 1996 में हाई स्कूल जनता इंटर कॉलेज माहुल, 1998 में इंटरमीडिएट पंचायत इंटर कॉलेज खानपुर, 2001 ग्रेजुएशन इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2003 मे एम ए कानपुर तथा 2012 में इ.एं पूर्वांचल विश्वविद्यालय से किया। अपने स्वागत के उपरांत अमित कुमार ने इस सफलता का श्रेय अपने छोटे भाई अजय को दिया जो की छोटे होकर भी हमेशा बड़े भाई जैसा सहयोग किया। उन्होंने कहाकि इलाहबाद की धरती वह तपोभूमि है जहां से बच्चे तैयारी करके बाबू से लेकर आईएस, पी सी एस तक बनते है।

वस्तियो में चलाया गया हुनर की पहचान कार्यक्रम

प्रखर प्रयागराज। स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा बड़ा बघाड़ा की शाखा पर हुनर की पहचान कार्यक्रम के अंतर्गत मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान की छात्राओं ने अपने शिक्षिका के हाथों पर मेंहदी लगाई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में श्रिया मैम असिस्टेंट प्रोफेसर आर्य कन्या महाविद्यालय का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया तथा सभी को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। जिससे छात्रा अपने हुनर को प्रदर्शित कर ,अपनी प्रतिभा को पहचान सके। श्रिया मैम ने बताया कि इससे छात्रा स्वावलंबन भी बन सकती है। पढ़ाई के साथ हुनर भी उनके जीवन की महत्त्वपूर्ण पहलू हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंकिता मैम ने किया साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में निष्ठा, मंत्शा, अवंतिका, प्रज्ञा, आरती, रानी, आदि शिक्षिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

करण्डा ब्लाक प्रमुख के भाई व गनर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो करंडा/गाजीपुर। पिछले माह करंडा के बीडीओ को हथियारबंद बदमाशों द्वारा मारपीट कर घायल करने की घटना हुई थी। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में पुलिस ने बुधवार की सुबह ब्लाक प्रमुख के भाई सहित दो आरोपितों को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में उनका चालान कर दिया। मालूम हो कि बीते 28 मई को करंडा ब्लाक के बीडीओ अनिल श्रीवास्तव ने करंडा थाने में तहरीर दिया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि 26 मई की रात भोजन करने के बाद अपने सरकारी आवास से लेकर सीएचसी तक टहल रहे थे। इसी दौरान रास्ते में मौजूद हथियार बंद बदमाशों ने उनसे गाली-गलौज करते हुए सिर पर किसी वस्तु से प्रहार कर दिया। इससे वह भयभीत हो गए और चुप रहने में ही अपनी भलाई समझी। बदमाश पूर्व बीडीओ कल्याण सिंह का हाल बना देने की धमकी देते हुए चले गए। हमले के दूसरे दिन भी बदमाशों ने कार्यालय में भी दु?र्व्यवहार किया। उधर घटना के समय लोगों में दबी जुबान यह चर्चा थी कि बिना काम कराये ही करोड़ों रुपये के भुगतान के लिए कुछ लोगों द्वारा बीडीओ पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। इस संबंध में करंडा थाना प्रभारी निरीक्षक कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि करंडा बीडीओ पर हमला के मामले में आज सुबह क्षेत्र के जानकी मोड़ के पास करंडा ब्लाक प्रमुख के छोटे भाई राहुल यादव और ब्लाक प्रमुख की सुरक्षा में उनके साथ रहने वाले गोंडा निवासी सुरेश तिवारी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि विभिन्न धाराओं में आरोपियों का चालान कर दिया गया है।

सांप के काटने से युवक की हुई मौत

प्रखर ब्यूरो मुहम्मदाबाद/गाजीपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के दाउदपुर गाँव के एक युवक की सांप के काटने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दाउदपुर निवासी अनिल कुमार राम 30 वर्ष पुत्र भगेलू राम को बुधवार की सुबह सर्प ने डंस लिया। घटना की जानकारी होतें ही परिवार के लोग युवक को इलाज के लिए ले गयें। जहाँ युवक की मौत हो गई। युवक के मौत की जानकारी मिलतें ही परिवार में कोहराम मच गया। वही मामले की जानकारी होतें ही ग्रामीणों की भीड़ लग गईं। बताया जा रहा है कि युवक अपने पीछे दो संतान छोड़ गया है। युवक के मरने के बाद अब जहाँ परिवार चलाने के संकट आ गया है, वही बच्चों के लिए शिक्षा से लेकर लालन पालन का भी संकट सामने आ गया है।

स्वाभिमान संगठन के सदस्यों ने किया रक्त महादान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विश्व रक्तदान दिवस पर मंगलवार को जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में स्वाभिमान संगठन के डेढ़ दर्जन सदस्यों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। बताते चले कि यह संगठन हर वर्ष रक्तदान कर मानव सेवा में अग्रसर है। इस मौके पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अमितेश मिश्र ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी के प्राण रक्षा में काम आएगा। जरूरतमंद और लाचार लोगों को जब-जब जरूरत होगी, संगठन के लोग हमेशा तैयार रहेंगे, समाज की सेवा करना ही संगठन का उद्देश्य है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. देवेश सिंह कहा कि दुर्घटना ग्रस्त, लाचार एनीमिया आदि से पीड़ित लोग रक्त की कमी से अक्सर दम तोड़ देते है। ऐसे लोगों को जब-जब रक्त की आवश्यकता पड़ी है, हमारा संगठन हमेशा तैयार रहा है। वैसे भी

वर्ष में कुल मिलाकर लगभग 100 यूनिट रक्त दान संगठन द्वारा किया जाता है। इसके अलावा समाज में शोषित पीड़ित व वंचित लोगों को जब भी कोई समस्या होती है, चाहे वह बीमार हों या फिर पैसे के अभाव में इलाज नहीं करा पा रहे हों या फिर इलाज से वंचित हो जा रहे हो, वैसे लोगों की मदद के लिए स्वाभिमान संगठन हमेशा तैयार रहता। आगे उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा और कोई दूसरा दान नहीं है। संगठन द्वारा आगे भी रक्तदान का क्रम जारी रहेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज पांडेय, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सपन दुबे, प्रदेश अध्यक्ष अमितेश मिश्र, राष्ट्रीय महासचिव दुर्गेश सिंह, पुनीत सिंह, मनोज सिंह, अजय सिंह, वीरेश सिंह, पियूष राय, प्रदीप राय मंटू, सुनील निषाद, गोविंद चौधरी, सुधीर निषाद, गुलशन चौधरी, पियूष सिंह, श्रीकांत मास्टर, उपेंद्र सिंह, रिंकू सिंह आदि ने रक्तदान किया।

समाजसेवी अनिल सिंह बनबीरपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आजमगढ़ इंजीनियर अनिल नारायण रहे कार्यक्रम के अध्यक्ष

प्रखर आजमगढ़। निबी नई कॉलोनी स्थित आवास पर समाजसेवी अनिल सिंह बनबीरपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता विद्युत वितरण क्षेत्र आजमगढ़ इंजीनियर अनिल नारायण रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेविका राधिका देवी ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर छाया सिंह को समाजसेवी अनिल सिंह एवम आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव साहित्यकार संजय कुमार पांडे द्वारा अंगवस्त्रम एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी अनिल सिंह ने श्रमिक नेता कवि प्रभु नारायण पांडे प्रेमी जी को अंगवस्त्रम एवं साहित्यकार संजय कुमार पांडे द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता आर पी राय को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता आप पी राय ने कहा कि जब से मुख्य अभियंता महोदय जब से आजमगढ़ मंडल का कार्यभार

ग्रहण किए हैं, तब से उपभोक्ता अपनी बात आसानी से कर पा रहे हैं और समस्याओं का त्वरित निदान हो रहा है। संयोजक अनिल सिंह ने कहा कि अभियंता महोदय इतनी व्यस्तता के बावजूद उन्होंने जो अपना अमूल्य समय दिया है इसके लिए मैं आभार प्रकट करता हूं। कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रेमी जी ने अपनी कविताओं के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना दिया। साहित्यकार संजय कुमार पांडे ने कहा कि मुख्य अभियंता महोदय मंडल की जिम्मेदारी के बावजूद सामाजिक कार्यों में जो उनकी रूचि है वह सराहनीय है। अंत में मुख्य अतिथि अनिल नारायण सिंह ने कहा कि आज भगवान कृष्ण के उपदेश की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हर कोई बदहवास नजर लगता है। जिंदगी से निराश नजर लगता है भगवान कृष्ण से कहो फिर कहे गीता। आज अर्जुन उदास नजर लगता है कहते हुए अपनी भजन प्रस्तुत की वहां उपस्थित लोगों द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की गई। इस अवसर पर नूतन सिंह कुमारी, कार्तिकेय सिंह छात्र नेता, अमित राय, मनोज पांडे, उर्मिला पांडे इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

ज्ञानसरोवर तालाब में स्नान के दौरान डूबने से किशोरों की मौत

प्रखर भदोही । जनपद मुख्यालय ज्ञानपुर स्थित प्राचीन हरिहरनाथ मंदिर के सामने ऐतिहासिक ज्ञान सरोवर तालाब में स्नान के दौरान डूबने से दो किशोरों की मौत हों गयी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से दोनों शवों को तालाब से बरामद करने के बात अंत्य परिक्षण के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार ज्ञानपुर स्थित प्राचीन हरिहरनाथ मंदिर के ठीक सामने स्थित ज्ञान सरोवर तालाब में बुधवार को स्नान करने के दौरान दो किशोर डूब गए। मोहम्मद साहिल अंसारी (19) पुत्र रुस्तम अली अंसारी निवासी फत्तूपुर नई बाजार, कोतवाली भदोही तालाब में स्नान करने उतरा था। यह स्नातक का छात्र है। दोपहर वह तालाब में स्नान करने के लिए आया था इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और गहरे पानी में चला गया। जब वह डूबने लगा तो ज्ञानपुर नगर के कुंवरगंज निवासी विष्णु बाल्मीकि (9) पुत्र गोविंदा बाल्मीकि को अपनी जान बचाने के लिए पकड़ने लगा।

भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा पर हुई कारवाई की घोर निन्दा करता हूं- प्रकाश जायसवाल

प्रखर वाराणसी। बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के महामंत्री प्रकाश जायसवाल ने कहा की मैं भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा पर हुई कारवाई की घोर निन्दा करता हूं। नूपुर शर्मा के ने अपने बक्तव्य मे शिवलिंग को फाउंटेन कहने के जबाव में सचेत किया है न कि किसी धर्म पर चोट किया है, जिसको राजनैतिक मुद्दा बनाकर पूरे देश में किसी धर्म विशेष के लोगों द्वारा अराजकता फैलाई जा रही है और पूरे देश में

अशांति का माहौल बना हुआ। जिस पर देश का प्रशासन और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने भी कार्रवाई की और पूरे दुनिया में राजनीति हो रही है। मैं पूछना चाहता हूं सपा के एम एल सी लाल बिहारी यादव ने शिवलिंग पर अशब्द अभद्र और नास्तिक की भाषा बोलते वीडियो में वायरल चल रहा उस पर कोई नही बोल रहा क्यो? मैं प्रकाश जायसवाल समाजवादी पार्टी के शिक्षक एमएलसी लाल बिहारी यादव के द्वारा दिए गए शिवलिंग पर बयान के संदर्भ में समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और इस देश के प्रशासन से से पूछना चाहता हूं कि क्या अभी तक समाजवादी पार्टी के शिक्षक एम एल सी लाल बिहारी यादव के साथ कोई कार्रवाई हुई। मै प्रकाश जायसवाल देश के संविधान व कानून से यही मांग करना चाहता हूं कि एमएलसी लाल बिहारी यादव के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उनके द्वारा दिए गए बयान से पूरे हिंदुस्तान की जनता व भगवान शिव भक्तगण के भावनाओं को ठेस पहुंची है। शिक्षक एमएलसी लाल बिहारी यादव को इस तरीके से भगवान शिव के ऊपर विवादित बयान देने के लिए हिंदुत्व राष्ट्रद्रोह का मुकदमा कायम होना चाहिए और उनको हर एक सरकारी सुविधाओं से वंचित कर देना चाहिए। जिसका वह उपभोग हिंदुत्व राष्ट्र हिंदुस्तान में रहकर कर रहे हैं।

तालाब में खजाना मिलने की सूचना पर परेशान रहा प्रशासन

प्रखर राजगढ़/मिजार्पुर। विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत नदीहार में कराये जा रहे अमृत सरोवर की खुदाई के दौरान बुद्दवार को तालाब के बीच में एक बडे घड़े का मुंह दिखाई दिया। जिसको सोने का खजाना होने की आशंका पर उपजिलाधिकारी मड़िहान के समक्ष जेसीबी से खुदाई कराने पर टूटा हुआ पुराना मिट्टी का बड़ा मुह वाला कोई बर्तन मिला। जिससे खजाना मिलने की बात झूठी साबित हुई। इन दिनों शासन के निर्देश पर ग्राम पंचायतों में पुराने तालाबो का जीर्णोद्धार कर अमृत सरोवर का खुदाई कराया जा रहा है। इसी के तहत नदिहार ग्राम पंचायत में बुद्दवार की सुबह अमृत सरोवर का खुदाई कर रहे मजदूरों को मिट्टी के नीचे मुह ढका हुआ लगभग तीन फीट व्यास का एक बड़ा घड़ा दिखाई दिया। जिसे देखकर मजदूरों की आँखे फटी की फटी रह गयी। वही घड़ा दिखाई देने पर खजाना होने की आशंका जताते हुए सभी मजदूर इकट्ठा हो गए। ग्राम प्रधान रविशंकर

सिंह ने खंड विकास अधिकारी शैलेन्द्र सिंह को सूचित किया। खंड विकास अधिकारी मौके पर पहुचकर कार्य बंद कराते हुए पुलिस प्रशासन एवं उप जिलाधिकारी को सूचना दिए। मौके पर पहुंचे मड़िहान उप जिलाधिकारी अश्वनी कुमार सिंह, तहसीलदार फूलचंद यादव ने पुलिस प्रशासन एवम ग्रामीणों की मौजूदगी में जेसीबी से लगभग 10 फिट गहरी खुदाई कराई गई, जिसमे मिट्टी का बड़ा घड़ा टूट फुट कर बाहर निकला। जिससे खजाना मिलने की बात झूठी साबित हुई। वही खजाना मिलने की सूचना पर दिन भर पुलिस व तहसील प्रशासन हलकान रहे।

शहीद की माता का निधन परिवार में पसरा मातम

प्रखर केराकत/जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के तेजपुर गॉव मे वुद्धवा की सुबह कारगिल मे शहीद हुए धीरेंद्र यादव की माता का 100 साल की उम्र मे निधन हो गया। परिवार मे शोक की लहर दौड़ पड़ी। निधन की खबर मिलते ही शोक संवेदना व्यक्त करने वालो का सुबह से ही उनके प्रैत्रिक निवास तेजपुर मे लगा रहा तांता। शहीद के बड़े भाई त्रिभुवन यादव ने बताया कि आज सुबह जब माता को उठाने के लिए उनके कमरे में गए तो माता अचेत अवस्था में पड़ी दिखी। आनन फानन में डॉक्टर को बुलाया गया। डॉक्टर ने जांच पड़ताल करते हुए उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया।

अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

प्रखर पूर्वांचल मंडुवाडीह/वाराणसी। स्थानीय क्षेत्र के सब्जी मंडी के करीब बुधवार की अपराह्न एक 47 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। स्थानीय लोगों ने बताया की मृतक सब्जी मंडी के समीप रखी एक चौकी पर लेट कर आराम कर रहा था। कुछ देर बाद लोगों ने उसे उठाने की कोशिश की तो देखा कि उसकी मृत्य हो चुकी थी। लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुँचे कस्बा चौकी प्रभारी ब्रजेश सिंह ने मृतक का शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नही हो सकी। मृतक मटमैले कलर का पैंट व धारीदार सफेद शर्ट पहना था जो गन्दे हो चुके थे। पुलिस ने शव को अंत्यपरीक्षण हेतु भेज दिया।

अमृत योग सप्ताह के अन्तर्गत जिला स्पोर्टस स्टेडियम में कराया गया योगाभ्यास

प्रखर संतकबीरनगर। उप क्रीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि अमृत योग सप्ताह के अन्तर्गत जिला खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ियों द्वारा योगाभ्यास किया गया। जिसमें फुटबाल, हाकी, कुश्ती, बास्केटबॉल, क्रिकेट एथलेटिक्स, हैंडबॉल, वालीबॉल, कबड्डी, के खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों तथा सुबह स्वास्थ्य लाभ लेने वाले वरिष्ठ नागरिकों द्वारा वृक्षासन, अर्धचक्रासन, शशकासान, मकरासन, भुजगासन, अर्द्धहलासन, शवासन आदि सामान्य योग अभ्यास सीताराम महाराज द्वारा कराया गया। इस अवसर पर सचिव वालीबाल संघ चंद्रबली यादव, राम आशीष उपाध्याय, अमरेश प्रताप सिंह, रामलाल, अध्यक्ष स्टेडियम क्लब जेपी दूबे तथा क्लब के सभी सम्मानित सदस्य एवं फुटबॉल अंशकालिक प्रशिक्षक अमित कुमार कनौजिया, कुश्ती अंशकालिक प्रशिक्षक ओसामा जौहर, हॉकी अंशकालिक प्रशिक्षक हिमांशु पाल आदि उपस्थित थे। योगाभ्यास के अंत में उपक्रीड़ाधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दहेज हत्या के आरोप में युवक गया जेल

प्रखर अहरौरा/मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के सेमरा बरहों गांव में पांच दिन पहले विवाहिता ने घर के अंदर साड़ी का फंदा लगाकर मौत को गले लगाई थी। सूचना के बाद मौके पर पंहुचे मायके पक्ष के लोगो ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि पति द्वारा दहेज की मांग को लेकर हमेशा मृतिका को प्रताड़ित किया जा रहा था और उसकी हत्या कर शव को साड़ी के फंदे से लटका दिया गया। अदलहाट निवासी मृतिका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद जांच पड़ताल करते हुए मृतिका के पति के ऊपर दहेज उत्पीड़न से सम्बंधित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए भाई ने हत्या करने का मुकदमा दर्ज कराया था।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने बीएसए को सौंपा ज्ञापन

शिक्षकों की पदोन्नति एवं प्रोन्नत वेतनमान का रहा मुद्दा

प्रखर वाराणसी। जनपद में शिक्षकों की पदोन्नति एवं प्रोन्नत वेतनमान देने हेतु शिक्षकों की वरिष्ठता सूची प्रकाशित कराने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वाराणसी राकेश सिंह से राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" के नेतृत्व में मिला। विगत 22 वर्षों से जनपद वाराणसी में प्रोन्नत वेतनमान एवं 7 वर्षों से पदोन्नति की बाट जोह रहे शिक्षकों की समस्या को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी ने पुर्व में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी से मिलकर इसके लिए वरिष्ठता सूची प्रकाशित करने के लिए कहा था परंतु लगभग एक माह का समय बीत जाने पर भी जनपद में वरिष्ठता सूची का प्रकाशन नहीं हो सका जिसके लिए पुनः जिला बेसिक शिक्षाधिकारी से हुई मुलाकात के दौरान जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय ने वरिष्ठता सूची का प्रकाशन एक सप्ताह के अंदर करने के लिए बीएसए से वार्ता किया जिससे सूची में किसी त्रुटि पर शिक्षकों की आपत्तियां ली जा सके ताकि प्रोन्नत वेतनमान निर्धारण करने में किसी तरह की अनियमितता न होने पावे। कार्यकारी जिला अध्यक्ष ज्योति प्रकाश ने बताया कि बीएसए ने संबंधित पटल सहायक को बुलाकर एक सप्ताह के भीतर वरिष्ठता सूची प्रकाशित करने का सख्त निर्देश दिया जिससे जुलाई के प्रथम सप्ताह में जनपद के शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान देने की कार्यवाही पूर्ण की जा सके और पदोन्नति की प्रकिया शुरू की जा सके। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वाराणसी से मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी के कार्यकारी जिलाध्यक्ष ज्योति प्रकाश, जिला महामंत्री आनंद कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष आशा पाठक व राजन सिंह, जिला संयुक्त मंत्री संजीव त्रिपाठी, जिला मंत्री अनुराधा भार्गव व सुधारानी, साधना श्रीवास्तव, प्रीति, अजय कुमार, अभिलाष श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

बहुभोज से लौट रहे युवक की हत्या

प्रखर सहजनवां/गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के बरहुआ में बहुभोज में आए युवक की खाना खाकर जाते समय रॉड और कुदाल से मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते चले कि गीडा थाना क्षेत्र के बरहुआ निवासी कोदई निषाद के बड़े लड़के सोनू की 12 जून को शादी हुई थी। 14 जून को बहुभोज था, जिसमे कोदई के सभी रिश्तेदारों के साथ ही बेतऊआ उर्फ चनऊ निवासी उनकी बेटी का देवर 24 वर्षीय हेमंत निषाद ऊर्फ शेरू भी आया था। शेरू भोजन के बाद रात्रि करीब 11.30 बजे अपनी बाइक से घर जा रहा था कि रास्ते में आरोपियों ने घेर कर बुरी तरह से मारा पीटा। घायल को लोग सदर अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक कोदई निषाद और आरोपित सगे पट्टीदार हैं। तीन वर्ष पहले आरोपित के घर शादी में मृतक भी आया था। भोजन करते समय किसी बात को लेकर मारपीट हुई थी। मामला थाने तक गया था। लेकिन रिश्तेदारों की पहल पर सुलह हो गई थी। तीन साल तक सब कुछ ठीक था। थाना प्रभारी गीडा राहुल कुमार सिंह ने बताया कि छह लोगों पर केस दर्ज कर शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है।

आईजी ने किया पुलिस लाइन व थाने का निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक के. सत्यनारायणा ने आज दिन बुधवार को पुलिस लाइन गाजीपुर तथा थाना नंदगंज का निरीक्षण किया। पुलिस लाइन में महानिरीक्षक द्वारा सर्वप्रथम परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा प्रत्येक टोलीवार जवानो का टर्नआउट व ड्रील का निरीक्षण किया गया। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा पुलिस लाइन के विभिन्न शाखा कार्यालय और पुलिस लाइन परिसर में हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण व गुणवत्ता चेक किया गया। इसके बाद पुलिस महानिरीक्षक द्वारा आर्मरी, डायल 112 कार्यालय, बैरक, एमटी शाखा, जीपी स्टोर, भोजनालय, कर्मचारियों के लिए बने बैरक आदि का निरीक्षण किया और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया। नंदगंज थाना के निरीक्षण के दौरान सीसीटीएनएस, महिला हेल्प डेस्क, कार्यालय, हवालात, मालखाना, मेस, बैरक इत्यादि का निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत आईजी द्वारा अपराध से संबंधित रजिस्टरों का भी निरीक्षण किया गया तथा अपराध एवं अपराधियों के बारे में जानकारी ली गई। थानाक्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों के बारे में भी जानकारी ली। इसके बाद मालखाने का निरीक्षण किया गया तथा मालो के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली गई। ततपश्चात उन्होंने असलहो का निरीक्षण किया तथा मौजूद आरक्षियो एवं थाना प्रभारी से असलहो को खुलवाया एवं जुड़वाया गया। इसके बाद पब्लिक मीटिंग एवं जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना एवं निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

मानसिक हॉस्पिटल में एक सप्ताह से नहीं थम रहा मौतों का सिलसिला

प्रखर वाराणसी। वही हॉस्पिटल निदेशक लिली श्रीवास्तव का कहना है कि प्रथम दृष्ट्या मौत का कारण गर्मी दिख रहा है बाकी पीएम रिपोर्ट आने के बाद पता चल पायेगा। वाराणसी ,मानसिक चिकित्सालय में आज फिर एक 35 वर्षीय महिला की मृत्यु हो गई वही महिला वॉर्ड के फार्मासिस्ट डीपी पांडेय का कहना है कि लगभग 15 दिन पहले यानी 2/6/22 को CGM बाराबंकी के आदेश पर पिंकी टंडन को बाराबंकी से यहां लाया गया था। वही जब इस मामले पर यहां के निर्देशिका लिली श्रीवास्तव से बात किया गया तो उनका कहना था कि पिंकी मानसिक रूप से थोड़ा परेसान थी। जिसका इलाज डॉक्टर अरविंद कर रहे थे आज रात करीब 3 से 4 बजे के बीच अचानक तवियत खराब होने के बाद पिंकी की मृत्यु हो गई। वही फार्मासिस्ट साहब का भी कहना है कि अधिक गर्मी के वजह से मृत्यु हो रही है। तीन दिनों में दो महिला तीन पुरुष की मृत्यु हो गई है। पांच मौते में एक कैदी था जो बाहर से आया था जिसका नाम राहुल था। मैडम का यह भी कहना है कि उन्हें pm रिपोर्ट नही दी जाती यदि मंगाना हो तो अधिकारी को लेटर लिखा जाता है। तब जाकर रिपोर्ट मिल पाता है ।हमारे यह कर्मचारियों की कमी है।55 अटेंडेंट की जगह 20 है।33 नर्स आउटसोर्स से लिये थे जो इस समय केवल 19 है।और चिकित्सक केवल 6 है। कई बार इस बारे में उच्च अधिकारियों को बताया गया लेकिन अभी तक कोई व्यवस्था नहीं हो पाया। देखा जाए तो हॉस्पिटल की लापरवाही से अभी पांच-छह दिन पहले भी 302 एक कैदी जो रात में हॉस्पिटल की दस फिट ऊची दीवार को फांद कर फरार हो गया था।जिसका अभी था पता नही चल पाया है।

प्रदेश स्तरीय महिला कबड्डी का हुआ शुभारंभ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। ऑल यूपी बालिका कबड्डी चैंपियनशिप का भव्य उदघाटन खाकी बाबा सिद्धार्थ इंटर कॉलेज युसुफपुर के ग्राउंड मे आज दिन बुधवार को हुआ। गाजीपुर भाजपा जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह की अध्यक्षता में ओम जी ग्रुप के मालिक डॉ. मनोज सिंह ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनिल यादव, डॉ. रमेश यादव, सत्य प्रकाश उर्फ पप्पू यादव उपस्थिति रहे। इस अवसर सूबेदार यादव प्रधान , प्रबंधक अटल सिंह, राजन सिंह,रविन्द्र यादव प्रबंधक, रामध्यान यादव, हीरालाल यादव, सचिन यादव, राहुल यादव, उदय प्रताप उर्फ बबलू सिंह, प्रदीप जी, विक्की बाबू, भवानी सिंह, अमित सिंह डिंपू, रिंकू सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रमेश यादव, जगदीश सिंह, राजेश यादव बुल्लू, कबड्डी संघ के प्रदेश सचिव राजेश सिंह, जिला सचिव मोहम्मद अकरम , मनोज सिंह, कन्हैया यादव, जिला अध्यक्ष हनुमान सिंह यादव, ग्राउंड पर राजेश, अमरनाथ यादव उर्फ नागाजी, अनिल एवं अन्य वरिष्ठ सहयोगी उपस्थित थे। इस चैंपियनशिप में लखनऊ, शामली, गाजियाबाद, बागपत, मेरठ, मुजफ्फरनगर, गाजीपुर, देवरिया, बलिया, कुशीनगर, महाराजगंज, आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, चंदौली, मिजार्पुर, सोनभद्र, इलाहाबाद, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, झांसी, पीलीभीत, अमरोहा, हापुड़ आदि जनपदों की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ के तत्वाधान में चल रही है।

तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक सवार जीजा साले को मारी टक्कर

प्रखर चंदौली। जिले की सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के फत्तेपुर गांव के समीप चंदौली चकिया मार्ग पर एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक सवार 2 लोगों को जोरदार टक्कर मारते हुए फरार हो गया। इस टक्कर में बाइक सवार दोनों लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। मौके पर जुटे आस पास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस और 108 एम्बुलैंस द्वारा दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान दोनों को मृत घोषित कर दिया। काठा गांव के रहने वाले सरवर अंसारी 35 साल अपने साले शहादत अंसारी 23 साल के साथ घर से चंदौली के लिए जा रहे थे। जैसे ही दोनों हाजीपुर गांव के समीप पहुंचे थे कि पीछे से आ रही 1 तेज रफ्तार स्कार्पियो दोनों को टक्कर मारते हुए फरार हो गया। बताते चलें कि इलाज के दौरान जीजा साले दोनों की मृत्यु हो गई। जैसे ही इसकी सूचना परिवार वालों को मालूम हुई समझें कि परिवार वालों के नीचे से जमीन खिसक गई और पूरे परिवार और गांव के लोगों ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

प्राप्त प्रशिक्षण का प्रतिदिन अभ्यास करें ताकि प्रशिक्षण की सार्थकता बनी रहे- डॉ. सुनीता पाण्डेय

प्रखर वाराणसी। शासन के आदेशानुसार कुलपति प्रो. ए.के. त्यागी के निर्देशन में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में दिनांक 15 जून 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप मानवता के लिए योग के दृष्टिगत चल रहे "अमृत योग सप्ताह" के दूसरे दिन विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। आज एक साथ जनपद के विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसी क्रम में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के खेल मैदान पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. सुनीता पांडेय, कुलसचिव, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने कहा कि योग की जिन विधाओं का आप प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं उसका लगातार अभ्यास करते रहें, ताकि प्राप्त प्रशिक्षण की सार्थकता जीवन में बनी रहे। इसे सिर्फ शौकिया नहीं बल्कि एक अनिवार्य क्रियाकलाप के रूप में अंगीकार कर जीवन को स्वस्थ एवं सुखमय बनायें। इस अवसर पर प्रो. दीप्ति सिंह, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह चिकित्साधिकारी आयुर्वेद विभाग उत्तर प्रदेश तथा आयुर्वेदिक चिकित्सालय आयर वाराणसी की योग प्रशिक्षक उषा मिश्रा सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे। अभ्यागतों का स्वागत प्रो. सुशील कुमार गौतम, संकाय अध्यक्ष, शिक्षा संकाय ने किया। सूर्य नमस्कार के नियमित अभ्यास के उपरान्त योग प्रोटोकल से सम्बन्धित आसनों का अभ्यास कराया गया। आज के कार्यक्रम की सफलता में डॉ. कुंदन सिंह, डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव, डॉ. बालरूप यादव, डॉ. सुनीता, डॉ. चंद्रमणि, निशा यादव, अमित कुमार गौतम, अभिषेक कुमार मिश्रा, रमेश यादव, भूपेंद्र कुमार उपाध्याय, पूजा सोनकर तथा प्रताप शंकर दुबे का विशेष सहयोग रहा। विश्वविद्यालय परिवार के डॉ. सुरेंद्र राम, जयशंकर प्रसाद सिंह, कर्म सागर पटेल सहित तमाम कर्मचारी एवं अध्यापक उपस्थित रहे।

कारगिल शहीद का मना शहादत दिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कारगिल अमर शहीद कमलेश सिंह (सेना मेडल विजेता) की 23वीं शहादत दिवस बुधवार को बिरनो थाना के सामने स्थित आदमकद प्रतिमा पर पुष्पाञ्जलि अर्पित कर क्षेत्र वाशियों द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध शिक्षाविद, पूर्व कुलपति डॉ. हरिकेश सिंह ने कहा कि देश के सीमाये सुरक्षित रहे इसकी एकता, अखंडता बची रहे इसके लिए प्राचीन काल से संतो, तपस्वियों के साथ ही साथ योद्धाओं की बड़ी भूमिका रही है। चन्द्रगुप्त मौर्य से लेकर महाराणा प्रताप, भगत सिंह, सरदार पटेल तक एक श्रृंखला रही है। जिसने देश की अखंडता संरक्षित रहे जिसके लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया। इसी परंपरा को आगे बढाने का काम अपने क्षेत्र के सूरवीर शहीद कमलेश सिंह ने किया, जब पाकिस्तान धोखे से भारत के एक हिस्से को कब्जा करने की बदनीयत रखता था, तो उसके मंसूबे को ध्वस्त करके भारत के तिरंगे के आन बान शान के लिए कमलेश सिंह ने अपनी शहादत दी। श्री सिंह ने कहा कि शहीद स्थलों, स्मारकों का महत्व मंदिर, मस्जिदों से ज्यादा है, क्योंकि यहां से देश सेवा के लिए अपार ऊर्जा मिलती है। देश जब सुरक्षित रहेगा तब आपका सम्मान, स्वाभिमान भी सुरक्षित रहेगा। श्री सिंह ने कहा किया कि शहीद कमलेश सिंह ने सन 1999 में कारगिल में शहादत दिया तब से गाजीपुर के शहीदी धरती के केवल इस क्षेत्र से ही दर्जनों युवाओं ने अपने आपको मातृभूमि के लिए समर्पित कर दिया। ये स्मारक अपार ऊर्जा का केंद्र है। आने वाले दिनों में भी ये प्रेरणा देती रहेगी। पूर्व कुलपति ने आह्वान किया कि क्षेत्र की युवा शक्ति आगे आकर देश सेवा के हर क्षेत्र में बढ़े और क्षेत्र के साथ ही साथ प्रदेश, देश के मानचित्र पर जिले के गौरव को बढाने का कार्य करे। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष मन्नू राजभर, घुरा सिंह, तेज बहादुर सिंह, प्रधान कार्तिक कुमार, गुड्डू यादव, अभिनव सिंह प्रिंस, कुँवर रूपेश कुमार, अमित सिंह, राजेश सिंह, विनोद बिन्द, अरुण राय, विवेक सिंह, राजेश राम, रणजीत सिंह, अजित कुमार, वैभव सिंह, सूर्याश सिंह आदि उपस्तिथ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहीद कमलेश सिंह के पिता कैप्टन अजनाथ सिंह ने किया। संचालन व आभार भाजपा नेता योगेश सिंह ने व्यक्त किया।

आइजीआरएस डिफाल्टर होने पर काटा जाएगा वेतन : डीएम

प्रखर गोरखपुर। आईजीआरएस निस्तारण डिफाल्टर की श्रेणी में आने वाले अधिकारियों का वेतन काटा जाएगा। अधिकारीगण गुणवत्ता युक्त प्रभावी ढंग से आईजीआरएस संदर्भों का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद वादों का करें निस्तारण किसी भी फरियादी को कोई भी अधिकारी बेवजह ना करे परेशान। उक्त बातें जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश एनेक्सी सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि समस्त अधिकारीगण अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए आइजीआरएस पोर्टल पर आने वाले शिकायती पत्रों का निस्तारण गुणवत्ता युक्त तरीके से निस्तारित करने का कार्य करें। अगर संबंधित अधिकारी डिफाल्टर की श्रेणी में आता है तो उसका वेतन मामले को निस्तारण करने तक कटता रहेगा। जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण कराया जाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन द्वारा जनसुनवाई, आई०जी०आर०एस० सी०एम० हेल्पलाइन, तहसील व थाना दिवस समय-समय पर विस्तृत निर्देश दिये गये हैं। लेकिन फिर भी यह देखा जा रहा है कि कतिपय अधिकारियों जन शिकायतों का यदि 2 दिवस में डिफाल्टर संदर्भों का निस्तारण नहीं किया जाता है तो संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी/ कार्यालयध्यक्ष का व्यक्तिगत उत्तर दायित्व निर्धारित कर दैनिक वेतन कटौती की जायेगी। बैठक में एडीएम सिटी विनीत कुमार सिंह एडीएम प्रशासन पुरुषोत्तम दास गुप्ता, सिटी मजिस्ट्रेट अभिनव रंजन श्रीवास्तव, एसडीएम खजनी पवन कुमार, एसडीएम कैंपियरगंज पंकज दीक्षित, एसडीएम सहजनवा सुरेश राय, एसडीएम गोला रोहित मौर्य, एसडीएम चौरीचौरा रजत वर्मा, एसडीएम बांसगांव दिग्विजय सिंह, अपर एसडीएम सदर अनुपम मिश्रा, एशियम विनय पांडे, एआरओ विनोद कुमार सिंह सहित ईओ वीडियो सहित अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

किसान सम्मान निधि के लिए खतौनी जमा करें - एसडीएम

प्रखर पिंडरा वाराणसी। एसडीएम पिंडरा राजीव कुमार राय ने कहाकि तहसील स्तर पर सभी ग्राम पंचायतों से लाखों किसानों का इस दिनों लेखपालों द्वारा पी एम किसान सम्मान निधि का सत्यापन कार्य चल रहा है। जिसमे शामिल होने वाले किसानों के खातों में धनराशि प्रेषित होगी। उन्होंने बताया कि पिंडरा तहसील क्षेत्र के जो भी किसान पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ उठा रहे हैं वह तत्काल अपने खेत की अद्यतन खतौनी के साथ अपने क्षेत्र के सम्बंधित लेखपाल से संपर्क कर जमाकर करे। जिससे अनवरत आपके खाते में पीएम किसान सम्मान निधि का धन आता रहे। खतौनी जमा न करने वाले किसानों की राशि रोक दी जाएगी।

दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस द्वारा अपराध के रोकथाम व अपराधियों के विरुद्ध चलायें जा रहे अभियान के क्रम में थानाध्यक्ष कासिमाबाद ने अपनी टीम के साथ दुष्कर्म के आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उल्लेखनीय है कि 13 जून 2022 को उर्मिला देवी पत्नी दीपक चौहन निवासिनी ग्राम सोनबरसा थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर द्वारा स्थानीय थाना पर लिखित तहरीर दी गयी थी कि अकबर पुत्र शाविर ग्राम सोनबरसा थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर द्वारा वादिनी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपित है। इस सम्बन्ध मे अभियोग पंजीकृत किया गया था। जिसमे नामित अभियुक्त को आज दिनांक 15 जून 2022 को सुबह 6बजे कारण बताकर पुलिस हिरासत मे लिया गया तथा उक्त के सम्बन्ध मे नियमानुसार मु.अ.सं. 142/2022 धारा 376/452 भादवि विधिक कार्यवाही कर चालान किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में देवेन्द्र सिंह यादव थानाध्यक्ष कासिमाबाद, हे.का. शिवपूजन सिंह, का. उमर खान शामिल रहे।

अवैध रूप से मिट्टी खनन कर रही जेसीबी और 4 ट्रेक्टर जब्त

प्रखर केराकत /जौनपुर। अवैध रूप से मिट्टी खनन में लगी एक जेसीबी और मिट्टी ढुलाई में लगे 4 ट्रेक्टर को एसडीएम माज अख्तर ने मंगलवार की दोपहर सीज कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। अवैध खनन देख किसी ने एसडीएम को सूचना दी कि केराकत ब्लाक क्षेत्र के सोहनी गांव के पाल बस्ती के पास एक जेसीबी से अवैध रूप से मिट्टी खनन हो रहा है। सूचना मिलते ही एसडीएम मौके पर पहुंच गए और एक जेसीबी मशीन और दुलाई में लगे 4 ट्रैक्टर सीज कर कोतवाली उठा ले गए। उससे पहले एसडीएम की गाड़ी आते देख जेसीबी और ट्रेक्टर चालक गाड़ी छोड़ कर भाग गए। पुलिस मिट्टी खनन कराने और करने वाले की तलाश कर रही है।

एमएलसी पुत्र ने अमृत सरोवर तालाब का रखा आधारशिला

प्रखर दानगंज/चोलापुर। थाना क्षेत्र के हरहुआ विकासखंड के गुरवट गांव में बुधवार को अमृत सरोवर तालाब बनाए जाने के लिए भूमि पूजन हुआ। ब्राह्मण द्वारा वेद मंत्रों का उच्चारण करने के साथ एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह के पुत्र व प्रतिनिधि सिद्धार्थ सिंह ने अमृत सरोवर तालाब का आधारशिला रखा। बतादे कि बारिश के अमृत रूपी पानी को सहेजने के लिए जिले के आठों ब्लॉक में बड़े स्तर पर अमृत सरोवर तालाब बनाए जा रहे हैं। शासन स्तर पर सरोवरों के निर्माण का कार्य चल रहा है। जल संरक्षण की दिशा में ये सरोवर बड़ी भूमिका निभाएंगे। इससे गिरते भूजलस्तर को बचाए रखने में भी बड़ी मदद मिलेगी। वही इस अवसर पर गोला के अनिल सिंह ग्राम प्रधान गुरवट ओम प्रकाश प्रजापति, प्रधान संरक्षक व पूर्व महामंत्री छात्रसंघ अशोक कुमार सिंह, सचिव जयप्रकाश, रोजगार सेवक रामानंद प्रजापति, कोटेदार अखिलेश सिंह, ग्राम प्रधान पलहीपट्टी हुकुम सिंह, पूर्व प्रधान गोसाईपुर सर्वेश मिश्रा, ओंकार नाथ मिश्रा, दिनेश सिंह, सुरेश, सुभाष, प्रवीण, मनु, शिवचन्द, राजवंती, सफाई कर्मी रामजी प्रसाद सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहें।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं